CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 64 ता. 01 सितम्बर 2021, बुधवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

यूपी, हरियाणा और राजस्थान समेत देश के इन हिस्सों में अभी और होगी बारिश, जारी हुआ अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में जमकर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार लखनऊ समेत राज्य के पूर्वी और मध्य हिस्से में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हुई और पश्चिमी इलाके में भी कई स्थानों पर भी बारिश हुई। बारिश का यह दौर उत्तर प्रदेश समेत कई अन्य राज्यों में आज भी जारी रहेगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के कई हिस्सों में अगले कुछ घंटों में बारिश का अनुमान है। यूपी के खैर, इगलास, कासगंज क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। हरियाणा के होडल और औरंगाबाद क्षेत्र में बारिश का अनुमान है। राजस्थान के विराटनगर, अलवर के आसपास के क्षेत्रों में गरज के साथ अगले कुछ घंटों में बारिश होगी। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद, अमरोहा, रामपुर, मिलक और चांदपुर के आसपास के क्षेत्रों में भी बारिश हो सकती है। यूपी, हरियाणा और राजस्थान के अलावा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, गोवा और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार से 1 सितंबर तक पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र और कोंकण और गोवा के कई हिस्सों में तेज बारिश होगी। 2 सितंबर तक गुजरात के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार 31 अगस्त के दौरान मराठवाड़ा और 1 सितंबर को पूर्वी राजस्थान में बारिश होने का अनुमान है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे लो प्रेसर के कारण अगले 3 से 4 दिन तक देश के कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी है।

पूर्वोत्तर भारत में भी होगी जमकर बारिश-आइएमडी ने अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिणी प्रायद्वीप के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। साथ ही पूर्वोत्तर भारत में अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश की उम्मीद है।

केजरीवाल सरकार ने दी एक और राहत

राशन कार्ड धारक के बीमार या बुजुर्ग होने पर नामित व्यक्ति ले सकेगा राशन

नई दिल्ली। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने बुजुर्ग और बीमार व्यक्तियों को बड़ी राहत दी है। अब राशन की दुकानों पर उम्र और बीमारी की वजह से राशन लेने नहीं पहुंचने वाले कार्ड धारकों के स्थान पर उनके द्वारा नामित व्यक्ति राशन ले सकता है। इस संबंध में दिल्ली सरकार ने आदेश जारी कर दिए हैं। दिल्ली सरकार द्वारा 26 अगस्त को जारी आदेश में कहा गया कि लाभार्थी द्वारा उसकी ओर से राशन लेने के लिए व्यक्ति को नामित करने हेतु कुछ अर्हताएं तय की गई हैं। राजधानी में ई-पीओएस प्रणाली लागू की गई है जिसके तहत लाभार्थी को अंगूठे या आंखों की पुतली के जरिये सत्यापित करने पर ही राशन दिया जाता है। आदेश में कहा गया है कि वे राशन कार्डधारक ही किसी व्यक्ति को नामित कर सकते हैं जिनके परिवार में चार या इससे कम सदस्य हैं। केवल तीन परिस्थितियों में कार्ड धारक उसकी ओर से राशन प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को नामित कर सकता है।

● लाभार्थी द्वारा उसकी ओर से राशन लेने के लिए व्यक्ति को नामित करने हेतु कुछ अर्हताएं तय की गई हैं। राजधानी में ई-पीओएस प्रणाली लागू की गई है जिसके तहत लाभार्थी को अंगूठे या आंखों की पुतली के जरिये सत्यापित करने पर ही राशन दिया जाता है।

आदेश के मुताबिक, ये परिस्थितियां हैं, अगर परिवार के सभी सदस्यों की उम्र 65 साल से अधिक और 16 साल से कम होती है और वे स्वयं राशन की दुकान पर जाने में अक्षम होते हैं। परिवार के सभी सदस्य कुष्ठ रोग से गस्त हैं, दिव्यांग हैं या बिस्तर पर हैं या ऐसी बीमारी से ग्रस्त हैं जिससे बुरी तरह से लाभार्थी प्रभावित है। कार्ड में दर्ज सभी व्यक्तियों का आधार सही होने पर भी ई-पीओएस से बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं हो पाता है। सरकार ने कहा है कि नामित व्यक्ति भी राशन कार्ड धारक होना चाहिए और उसी उचित मूल्य की दुकान से संबध होना चाहिए जिसके लिए उसे नामित किया गया है। आदेश में कहा गया कि लाभार्थी को व्यक्ति नामित करने के लिए नामांकन फार्म भरना होगा जिसके साथ राशन कार्ड की फोटोकॉपी और लाभार्थी और नामांकित व्यक्ति के आधार कार्ड की फोटोकॉपी सलंग्न करनी होगी।दिल्ली में 17.77 लाख राशन कार्ड धारक और 72 लाख लाभार्थी हैं। दिल्ली सरकार इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट-ऑफ-सेल (ई-पीओएस) उपकरणों के माध्यम से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत लाभार्थियों को मुफ्त राशन वितरित करती है। राष्ट्रीय राजधानी ने 2018 की शुरुआत में राशन वितरण में ई-पीओएस के उपयोग को बंद कर दिया था, क्योंकि खराब नेटवर्क की शिकायतों के कारण ऑथेंटिकेशन फेलियर और वास्तविक लाभार्थियों को बाहर कर दिया गया था। इसे जुलाई में वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के कार्यान्वयन के साथ फिर से शुरू किया गया था। पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम वेलफेयर एसोसिएशन ने इस कदम की सराहना की और कहा कि इससे कई लाभार्थियों को मदद मिलेगी। एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने कहा कि ऐसे कई लोग हैं जो अकेले रहते हैं या विभिन्न कारणों से एफपीएस नहीं जा सकते हैं और इसलिए एक प्रणाली शुरू करने की आवश्यकता है ताकि उन्हें राशन मिल सके।

सुप्रीम कोर्ट-कोविड महामारी ने जिंदगियां तबाह की, पर केंद्र व राज्यों की योजनाओं पर जताया संतोष

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोविड-19 ने कई जिंदगियों को तबाह कर दिया है। यह दिल दहला देने वाला है कि महामारी के दौरान माता-पिता में किसी एक या दोनों को खो देने वाले बच्चों का अस्तित्व दांव पर है। शीर्ष अदालत ने हालांकि केंद्र और राज्यों की योजनाओं पर संतोष जताया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, महामारी में माता-पिता को गंवाने वाले बच्चों का अस्तित्व दांव पर-जस्टिस एल नागेश्वर राव और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की पीठ ने कहा, हमें खुशी है कि केंद्र और

राज्य सरकारों ने जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए योजनाओं की घोषणा की है। हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि संबंधित अथॉरिटी कमजोर बच्चों की तत्काल बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। स्वत~ संज्ञान मामले पर शीर्ष अदालत ने कहा, एक लाख से अधिक बच्चों ने महामारी के दौरान या तो माता-पिता में से किसी एक को या दोनों को खो दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि बाल कल्याण समिति द्वारा उन बच्चों की पहचान के लिए जांच तेज करनी होगी, जिन्हें देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा पाने का सांविधानिक अधिकार है और बच्चों को सुविधा मुहैया कराना राज्य का दायित्व है।

झटका : सरकार ने जज बनाने के लिए सुझाए कॉलेजियम के 14 नामों को लौटाया

नई दिल्ली। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा हाईकोर्ट के जज बनाने के लिए सुझाए गए 14 नामों को वापस कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सरकार ने कॉलेजियम को इन नामों पर एक सप्ताह में फिर से विचार करने के आग्रह के साथ लौटा दिया। उन्होंने बताया कि कॉलेजियम ने यह सिफारिश करीब एक साल पहले की थी। कुछ मामलों में सिफारिशें और पहले की गई थीं। कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट, कलकत्ता, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक और केरल हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए ये सिफारिशें की थीं। संसद के मानसून सत्र में विधि मंत्री किरेन रिजिजू ने एक

सरकार ने कॉलेजियम को इन नामों पर एक सप्ताह में फिर से विचार करने के आग्रह के साथ लौटा दिया। उन्होंने बताया कि कॉलेजियम ने यह सिफारिश करीब एक साल पहले की थी।

सवाल के जवाब में कहा था कि पिछले एक साल में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने विभिन्न हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए 80 संस्तुतियां की थीं। उनमें से सरकार ने 45 जजों को सरकार ने हाईकोर्ट में नियुक्त कर दिया था, जबकि शेष मामलों में प्रक्रिया विभिन्न चरणों में है। उल्लेखनीय है कि देश में 25 हाईकोर्ट में स्वीकृत जजों की कुल संख्या 1098 हैं, जबकि 1 अगस्त तक केवल 643 जजों से काम चल रहा है।

लोकतंत्र सूचकांक के लिए सरकारी डाटा का उपयोग नहीं करेगा ईआईयू

ठुकराया भारत सरकार का प्रस्ताव

नई दिल्ली। द इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) ने भारत सरकार के उस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है जिसमें उसने लोकतंत्र सूचकांक के लिए सरकारी डाटा का उपयोग करने के लिए कहा था। संस्था ने भारत सरकार के प्रस्ताव पर जवाब देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया से लोगों के मन में संदेह पैदा होगा। इसलिए यह उचित नहीं होगा। वहीं ईआईयू के प्रधान अर्थशास्त्री (एशिया) ने भारत सरकार के अधिकारियों को सूचित किया कि सूचकांक के लिए स्कोरिंग देश में विकास के आधार पर किया गया था और इसे सार्वजनिक रूप से किया गया था और इसी प्रक्रिया को आगे अपनाई जाएगी। बता दें कि भारत वर्ष 2020 के लोकतंत्र सूचकांक की वैश्विक रैंकिंग में दो स्थान फिसलकर 53वें स्थान पर पहुंच गया था। बता दें कि द इकोनॉमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट (ईआईयू) ने कहा था कि लोकतांत्रिक मूल्यों

से पीछे हटने और नागरिकों की स्वतंत्रता पर कार्रवाई को लेकर भारत पिछले साल की तुलना में दो पायदान फिसला है। इस रैंकिंग पर भारत सरकार ने सवाल भी उठाया था। मीडिया रिपोर्ट द्वारा समीक्षा किए गए दस्तावेजों के अनुसार, केंद्र सरकार ने लंदन में भारतीय उच्चायोग को ईआईयू से लोकतंत्र सूचकांक (डीआई) का मूल्यांकन तंत्र, पद्धति, नमूना आकार, लेखकों का विवरण और एजेंसियां जिनका इस्तेमाल इस इंडेक्स को बनाने के लिए किया गया था के बारे में जानकारी प्राप्त करने को कहा था। बता दें कि इससे पहले कानून मंत्रालय ने 15 जुलाई को राज्यसभा सचिवालय को एक पत्र लिखकर कहा था कि एक सांसद द्वारा 'लोकतंत्र सूचकांक में भारत की स्थिति' पर पूछे गए एक प्रश्न को अस्वीकार कर दिया जाए, जिसका उत्तर 22 जुलाई को दिया जाना था। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने इसे लेकर तर्क दिया था कि ये सवाल 'बेहद संवेदनशील प्रकृति' का है, इसलिए हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते।

कर्नाटक में सड़क हादसा, कार में सवार सात लोगों की हुई मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के कोरामंगला एरिया में मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। आदुगोडी पुलिस स्टेशन की ओर से बताया गया कि दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने बताया कि मृतकों में तमिलनाडु के होसुर जिले के द्रमुक विधायक प्रकाश वाइ के पुत्र भी हैं। अन्य पीड़ितों की पहचान इशिता, धनुष, अक्षय, गोयल और रोहित के तौर पर की गई। इन सभी की उम्र 20-30 साल के आस-पास है और ये सभी शहर के पीजी में रह रहे थे। पुलिस के अनुसार,

दुर्घटनाग्रस्त आडी कार की आगे वाली सीट पर तीन लोग बैठे थे वहीं पिछले सीट पर चार लोग थे। पुलिस ने बताया कि किसी भी यात्री ने सीट बेल्ट नहीं पहना था। 6 की मौके पर ही मौत हो गई और एक ने बेंगलुरु स्थित संत जान्स अस्पताल दम तोड़ दिया। आडुगोडी पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

दशहरा, दिवाली व छठ पूजा में घर जाने वाले यात्रियों को नहीं होगी परेशानी, चलेंगी 40 जोड़ी ट्रेनें

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण की वजह से सीमित संख्या में ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। लेकिन यात्रियों की परेशानी को देखते हुए कुछ विशेष ट्रेनों को शुरू करने की घोषणा की गई है और आने वाले दिनों में कुछ और ट्रेनें घोषित की जाएंगी। इसलिए त्योहार के दिनों में यात्रियों को ट्रेनों में कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो रहा है। सबसे ज्यादा भीड़ पूर्व दिशा की और चलने वाली ट्रेनों में है। दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के समय पूर्व दिशा की ओर जाने वाली अधिकांश ट्रेनों में जगह नहीं है। सभी ट्रेनों में सिर्फ कंफर्म टिकट लेकर ही यात्री सफर कर सकते हैं। ट्रेनों की संख्या कम होने से यात्रियों को ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को घर जाने के लिए कंफर्म टिकट

नहीं मिल पा रहा है।

भारतीय उत्तर रेलवे ने 40 जोड़ी त्योहार विशेष ट्रेनें शुरू करने का फैसला किया

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि उत्तर रेलवे की ओर से 40 जोड़ी त्योहार विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला लिया गया है। इनमें से कई ट्रेनों की घोषणा कर दी गई है। जल्द ही अन्य ट्रेनों की घोषणा ओर की जाएगी। यदि जरूरत पड़ी तो विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ाई भी जाएगी। प्रत्येक रूट का सही से आकलन किया जा रहा है। त्योहार के दिनों में टिकट की दलाली करने करने के लिए दलाल सक्रिय हो जाते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए रेलवे सुरक्षा बल व रेल कर्मचारियों की विशेष टीम बनाई जा रही है। आरक्षण केंद्रों, रेलवे स्टेशनों के साथ ही ट्रेवल एजेंसियों पर भी नजर रखी जाएगी। इंटरनेट मीडया के माध्यम से लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। लोगों को भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आइआरसीटीसी) की वेबसाइट, आरक्षण केंद्रों व अधिकृत ट्रेवल एजेंट से टिकट खरीदने की सलाह दी जा रही है।

कई ट्रेनों में नहीं मिल पा रहा टिकट

नई दिल्ली-राजगीर श्रमजीवी एक्सप्रेस, नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस, नई दिल्ली-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस, नई दिल्ली-राजेंद्र नगर राजधानी एक्सप्रेस, आनंद विहार-पटना विक्रमशिला एक्सप्रेस, नई दिल्ली-बनारस शिव गंगा एक्सप्रेस, नई दिल्ली-जयनगर स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों में दो नवंबर तक कंफर्म टिकट नहीं मिल पा रहा है।

अक्टूबर नवंबर में होगा चरम, लेकिन दूसरी लहर से कम होगी घातक

कोरोना की तीसरी लहर को लेकर विशेषज्ञों का दावा

नई दिल्ली। भारत में कोरोना की तीसरी लहर कब आएगी, इसको लेकर अलग-अलग संभावनाएं जाहिर की जा रही हैं। इस बीच विशेषज्ञों ने एक दावा किया है। इस दावे के मुताबिक भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर अक्टूबर और नवंबर के बीच चरम पर हो सकती है। हालांकि इसकी तीव्रता दूसरी लहर की तुलना में काफी कम होगी। महामारी के गणितीय प्रारूपन में शामिल एक वैज्ञानिक ने यह बात सोमवार को कही। आईआईटी-कानपुर के वैज्ञानिक मणिंद्र अग्रवाल ने कहा कि अगर कोई नया स्वरूप नहीं आता है तो स्थिति में बदलाव की संभावना नहीं है। वह तीन सदस्यीय विशेषज्ञ दल का हिस्सा हैं जिसे संक्रमण में बढ़ोतरी का अनुमान लगाने का कार्य दिया गया है।

प्रतिदिन एक लाख केस आने की संभावना

अगर तीसरी लहर आती है तो देश में प्रतिदिन एक लाख मामले सामने आएंगे। जबकि मई में दूसरी लहर के चरम पर रहने के दौरान प्रतिदिन चार लाख मामले सामने आ रहे थे। दूसरी लहर में हजारों लोगों की मौत हो गई और कई लाख लोग संक्रमित हो गए थे। अग्रवाल ने ट्वीट किया कि अगर नया वैरिएंट नहीं आता है तो यथास्थिति बनी रहेगी। सितंबर तक अगर 50 फीसदी ज्यादा संक्रामक वैरिएंट सामने आता है तो नया स्वरूप सामने आएगा।

आप देख सकते हैं कि नए वैरिएंट से ही तीसरी लहर आएगी और उस स्थिति में नये मामले

● हालांकि इसकी तीव्रता दूसरी लहर की तुलना में काफी कम होगी। महामारी के गणितीय प्रारूपन में शामिल एक वैज्ञानिक ने यह बात सोमवार को कही। आईआईटी-कानपुर के वैज्ञानिक मणिंद्र अग्रवाल ने कहा कि अगर कोई नया स्वरूप नहीं आता है तो स्थिति में बदलाव की संभावना नहीं है।

बढ़कर प्रतिदिन एक लाख हो जाएंगे।

पिछले मॉडल में डेढ़ से दो लाख केस सामने आने की थी बात

पिछले महीने, मॉडल के मुताबिक बताया गया था कि तीसरी लहर अक्टूबर और नवंबर के बीच में चरम पर होगी और रोजाना मामले प्रति दिन डेढ़ लाख से दो लाख के बीच होंगे, अगर सार्स-कोव-2 का ज्यादा संक्रामक उत्परिवर्तन होता है। बहरहाल, डेल्टा से ज्यादा संक्रामक उत्परिवर्तन सामने नहीं आया। पिछले हफ्ते का अनुमान भी इसी तरह का था लेकिन नए अनुमान में रोजाना मामलों की संख्या घटाकर एक से डेढ़ लाख की गई है। अग्रवाल ने कहा कि नवीनतम आंकड़ों में जुलाई और अगस्त में हुए टीकाकरण और सीरो सर्वेक्षण को भी शामिल किया गया है।

CMYK

सार समाचार

पुडुचेरी विधानसभा अध्यक्ष को पड़ा दिल का दौरा, अस्पताल में भर्ती

पुडुचेरी। पुडुचेरी विधानसभा के अध्यक्ष ई आर सेल्वम को दिल का दौरा पड़ने पर मंगलवार को यहां अस्पताल में भर्ती कराया गया। विधानसभा से जुड़े सूत्रों ने बताया कि सेल्वम को इंदिरा गांधी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सेल्वम के अस्पताल में भर्ती होने पर विधानसभा में बजट सत्र की कार्यवाही उपाध्यक्ष पी राजावेलू संभाल रहे हैं। विधानसभा आने से पहले सेल्वम को छाती में दर्द हुआ जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मुंबई में भारी बारिश से भूस्खलन और जलभराव, कई लोग घायल

मुंबई। मुंबई में लंबे समय के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून एक बार फिर सक्रिय होने के साथ ही शहर में भारी बारिश हुई, जिससे एक जगह भूस्खलन होने से कुछ लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि रात भर भारी बारिश होने के कारण कुछ निचले इलाकों में पानीभर गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की एक रिपोर्ट के अनुसार,सोमवार रात से, महानगर, पड़ोसी नवी मुंबई, ठाणे और आसपास के अन्य क्षेत्रों में 20 मिमी से 70 मिमी तक बारिश हुई। मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में आईएमडी की सांताक्रूज वेधशाला में 49 मिमी,जबकि कोलाबा वेधशाला में 29.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण मुंबई के असल्फा इलाके में भूस्खलन हुआ, जिससे कुछ लोग घायल हो गए। बारिश के कारण अंधेरी, परेल, भांडुप और कुछ अन्य इलाकों में जलजमाव के कारण यातायात प्रभावित हुआ।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय समेत तीन अन्य सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली। सतीश उपाध्याय ने आज नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के सदस्य और उपाध्यक्ष के रूप में पद की शपथ ली, ये शपथ उन्होंने पालिका परिषद की विशेष बैठक में ग्रहण की । इस अवसर पर नई दिल्ली से सांसद के रूप में पालिका परिषद सदस्य मीनाक्षी लेखी, जो भारत सरकार में विदेश एवं संस्कृति राज्यमंत्री भी है, उन्होंने नगरपालिका परिषद की इस विशेष बैठक के सभापति के रूप में आज सतीश उपाध्याय को सदस्य और उपाध्यक्ष तथा अन्य तीन सदस्यों कुलजीत सिंह चहल विशाखा सैलानी और गिरीश सचदेवा को भी शपथ दिलाया । भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने उपाध्यक्ष और अन्य सदस्यों को नई दिल्ली नगर परिषद अधिनियम-1994 की धारा -4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए 26 अगस्त, 2021 को राजपत्र अधिसूचना जारी करने के माध्यम से नामित किया है। इस अवसर पर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष धर्मेंद्र और पालिका परिषद के दो अन्य आधिकारिक सदस्य भारत सरकार के आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्रालय में संयुक्त सचिव डी. थारा और पूर्वी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त विकास आनन्द भी उपस्थित थे ।

हिंदू संगठन ने दी ताजमहल को बंद करने की धमकी

आगरा (यूपी)। राष्ट्रीय हिंदू परिषद (भारत) नाम के एक संगठन के सदस्यों ने ताजमहल के पश्चिमी द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि अगर उस एएसआई स्टाफ सदस्य के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी, जिसने भगवान कृष्ण के रूप में तैयार आगंतुक को परिसर में प्रवेश करने नहीं दिया था तो, ताजमहल को बंद कर दिया जाएगा। संगठन ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों को उसके स्टाफ सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है, जिन्होंने आगंतुक का अपमान किया था। अधीक्षण पुरातत्वविद् (आगरा सर्कल) वसंत के स्वर्णकार ने कहा कि बिना पूर्व अनुमति के किसी भी संरक्षित स्मारक पर प्रचार गतिविधियों की अनुमति नहीं है। नियमों और विनियमों के अनुसार प्रवेश से इनकार कर दिया गया था। अधिकारियों के अनुसार, अतीत में कई बार ऐसा हुआ है जब राम दुपट्टा पहने लोगों के समूह को ऐतिहासिक स्मारक में प्रवेश करने से रोक दिया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना शनिवार को हुई और संगठन ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया।

केरल के सायनाइड किलर के पति जॉली ने मांगा तलाक

तिरुवनंतपुरम, । 49 वर्षीय जॉली थॉमस के दूसरे पति ने मंगलवार को कोझीकोड की एक पारिवारिक अदालत में उससे तलाक की मांग करते हुए एक याचिका दायर की है।

जॉली ने कई साल पहले साइनाइड का उपयोग करके अपने परिवार के छह लोगों को खत्म कर दिया था, जिसके बाद अक्टूबर 2019 में पुलिस ने जॉली और उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया था। वह वर्तमान में जेल में हैं। प्रत्येक पर मौत के अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। जॉली ने 2017 में शाजू जकारिया से शादी की थी। जिसके बाद शाजू ने अपनी तलाक की याचिका में कहा है कि उसे अपनी वाइफ से डर लगाता है क्योंकि उसकी मानसिकता बहुत घातक है। इस वजह से वह तलाक चाहता है। संयोग से जॉली के खिलाफ कई मामलों में, शाजू एक गवाह है। वर्तमान में जॉली कोझीकोड की एक जेल से बाहर आने के लिए अपनी एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। थॉमस परिवार में 2002 में मरने वाले पहले जॉली की सास अन्नाम्मा थीं, जो एक सेवानिवृत्त शिक्षिका थीं। उसके बाद 2008 में जॉली के ससुर टॉम थॉमस थे। 2011 में, उसके बेटे और जॉली के पति रॉय थॉमस की भी मृत्यु हो गई, जिसके बाद 2014 में रॉय के मामा मैथ्यू की मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने पाया है कि जहां जॉली ने छह में से पांच को खत्म करने के लिए साइनाइड का इस्तेमाल किया, वहीं अपनी सास अन्नम्मा के मामले में, उसने आमतौर पर पागल कुत्तों को मारने के लिए दिए गए जहर का इस्तेमाल किया था। उसने एक पशु चिकित्सालय से जहर इस आधार पर लिया कि वह अपने कुत्ते को खत्म करना चाहती है।

अफगानिस्तान से अमेरिका गया तो भारत ने हालात की निगरानी के लिए गठित की उच्च स्तरीय समिति: सूत्र

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

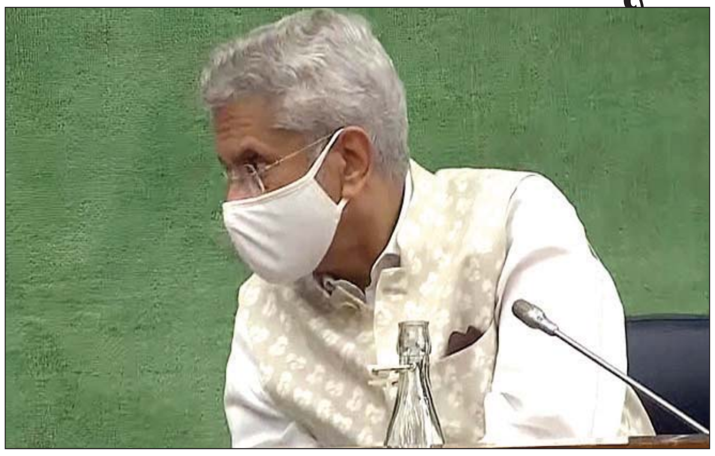

नयी दिल्ली। अफगानिस्तान की स्थिति से अभी हर कोई वाकिफ है। इसी बीच नरेंद्र मोदी सरकार ने पड़ोसी मुल्क की स्थिति पर नजर रखने के लिए और भारत के हितों और प्राथमिकताओं का ध्यान रखने के लिए एक उच्च स्तरीय समूह का गठन किया है। जिसमें विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है।

उच्च स्तरीय समूह का गठन

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी ने इस समूह को तत्काल प्रभाव से भारत के सुरक्षा हितों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। अंग्रेजी न्यूज वेबसाइट %इंडिया टुडे% की रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा और अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद भारत, अफगानिस्तान में रह गए भारतीयों की निकासी की तरफ पूरा ध्यान केंद्रित है।

आपको बता दें कि अफगानिस्तान को लेकर पीएम मोदी की अध्यक्षता में लगातार बैठकें हो रही है। पिछले हफ्ते सर्वदलीय बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट किया था कि सरकार वहां से भारतीयों को वापस लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है जहां स्थिति गंभीर है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक भारत की तात्कालिक प्राथमिकताएं अफगानिस्तान में अभी भी फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी और हमारा साथ देने वाले अफगानियों की सुरक्षित वापसी है। इसके अलावा केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि पड़ोसी मुल्क की जमीं का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंक फैलाने के लिए ना हो।

200 अमेरिकी अभी भी काबुल में फंसे

गौरतलब है कि अमेरिका ने दो दशकों से जारी जंग को समाप्त करते हुए काबुल हवाई अड्डे को अलविदा कहा। अफगानिस्तान के एक प्रांत को छोड़ दिया जाए तो पूरी तरह से तालिबान का कब्जा है। वहां पर अभी भी करीब 200 अमेरिकी लोग मौजूद हैं, जिन्हें निकालने के लिए बाइडेन प्रशासन रणनीतियां तैयार कर रहा है।

कपूरथला पुलिस द्वारा एक बड़े ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, 100 करोड़ रुपये कीमत की 20 किलो हेरोइन की जब्त, दो गिरफ्तार

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

पंजाब की जेलों में बंद कुख्यात गैंगस्टरों द्वारा चलाए जा रहे एक बड़े ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए मंगलवार को कपूरथला पुलिस द्वारा दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में 100 करोड़ रुपए कीमत की 20 किलो हेरोइन जब्त की है। तस्करों की पहचान बलविंदर सिंह निवासी गांव सारंगवाल होशियारपुर और पीटर मसीह निवासी बस्ती दानिशमंदा जालंधर के रूप में हुई है। दोनों तस्कर पहले से ही आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। डीजीपी पंजाब दिनकर गुप्ता ने बताया कि जब पुलिस टीमों ने मंगलवार को कपूरथला में हाई-टेक नाका ढिलवां पर पुलिस ने एक ट्रक और एक हुंडई आई20 कार को रोका। वाहनों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 20 किलो हेरोइन की खेप बरामद हुई। डीजीपी ने कहा कि पुलिस पार्टी द्वारा वाहनों के चालकों को चेक प्वाइंट पर रुकने का संकेत दिया गया था, लेकिन उन्होंने वाहन छोड़ भागने की कोशिश की, हालांकि, सतर्क पुलिस ने थोड़ी देर पीछा करने के बाद उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। डीजीपी ने कहा कि उनके शरीर की जांच के दौरान, पुलिस ने उनके निजी कब्जे से और उनके वाहनों से 20 पैकेट हेरोइन (एक किलो प्रत्येक) बरामद किया। एसएसपी कपूरथला, एच एस खख ने कहा कि खेप को छिपाने के लिए नशा तस्करों ने ट्रक के चालक के केबिन की छत में दो विशेष बक्से बनाये गए थे। डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, नशा तस्करों ने खुलासा किया कि बलविंदर सिंह द्वारा श्री नगर में पुरमारा मंडी से हेरोइन की खेप की तस्करी ट्रक नंबर ॥क्र55च-2510 में की गई थी और पीटर मसीह ने उससे खेप एकत्र की थी। डीजीपी ने कहा कि पुलिस इस मामले में एक नार्को-गैंगस्टर एंगल होने का संदेह कर रही है और यह भी पता चला है कि पीटर मसीह को कुख्यात गैंगस्टर रजनीश कुमार उर्फ प्रीत फगवाड़ा के भाई गगनदीप द्वारा खेप लेने के लिए भेजा गया था।

वाड्रा ने वित्त मंत्री से कहा, मेरा नाम घसीटना बंद कीजिए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की कांग्रेस महासचिव और प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के मुद्रीकरण के आरोप में उनका नाम घसीटने के लिए उनकी आलोचना की है। एक फेसबुक पोस्ट में, वाड्रा ने लिखा, अपने तथ्यों को जानें, निर्मला जी! मैं हैरान हूं कि आपके कद का एक मंत्री बिना किसी तथ्य की जांच या योग्यता के दावे और बयानबाजी करता है! रिकॉर्ड के लिए, मेरा किसी भी रेलवे स्टेशन से कोई लेना-देना नहीं है।! रेलवे के साथ मेरा एकमात्र रिश्ता ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्री का है! उन्होंने कहा, मैं आपसे और साथ ही सत्तारूढ़ दल के अन्य राजनीतिक नेताओं से हर मुद्दे में मेरा नाम घसीटना बंद करने का आग्रह करता हूं ! उन्होंने कहा, कृपया मुझे बेवजह बदनाम करना बंद करें और अगली बार अपना होमवर्क ठीक से करें, निर्मला जी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले हफ्ते कहा था कि सरकार राष्ट्रीय मुद्रीकरण योजना के तहत संपत्ति का स्वामित्व नहीं देगी और उन्हें अनिवार्य रूप से सरकार को वापस सौंप दिया जाएगा।

चौथी बार गोरखपुर से चुनाव का श्री गणेश करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी!

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव जीतने के लिए अबकी से भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गुरु गोरक्षनाथ की नगरी और योगी आदित्यनाथ की कर्म भूमि गोरखपुर से ही उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का आगाज करेंगे। 18 अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गोरखपुर में खाद कारखाने का लोकार्पण का कार्यक्रम प्रस्तावित है। जहां खाद कारखाने का लोकार्पण करके पीएम मोदी यूपी के किसानों को भी नये कृषि कानून के बारे में जानकारी देने के साथ,सरकार द्वारा किसानों के लिए किए जा रहे अन्य कामों को भी गिनाया जाएगा। पीएम मोदी आमजन के साथ-साथ किसानों से भी विकास के नाम पर मिशन-2022 की जीत के लिए आशीर्वाद मांगेंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 14 मार्च तक सम्पन्न कराए जाने हैं। इससे पहले ही योगी सरकार प्रदेश भर में विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करा लेना चाहती है।

प्रधानमंत्री का गोरखपुर दौरा इस लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि लोकसभा या फिर यूपी विधानसभा चुनाव मोदी प्रचार की शुरूआत गुरु गोरक्षनाथ की धरती से ही करते हैं। जब 2014 में मोदी, प्रधानमंत्री की कुर्सी के भाजपा की तरफ से उम्मीदवार बनाए गए थे, तब भी उन्होंने गोरखपुर के मानबेला मैदान में बड़ी रैली की थी। 2017 के यूपी विधानसभा में चुनाव प्रचार की शुरूआत मोदी ने खाद कारखाना मैदान से की थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी खाद कारखाना मैदान में मोदी की बड़ी रैली हुई थी। इसी रैली में 'किसान सम्मान निधि' देने का एलान भी किया गया था। इसी एलान के बाद देशभर के किसानों के बैंक खातों में सालाना छह-छह हजार रुपये भेजने का सिलसिला प्रारम्भ हुआ था। प्रधानमंत्री अपने गोरखपुर दौरे के दौरान कुछ महत्वपूर्ण घोषणा भी कर सकते हैं।

इसी क्रम में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले गोरखपुरवासियों के लिए जिले में ही एम्स का लोकार्पण भी होना है। इसकी ओपीडी चल रही है। जल्द ही 750 बेड का अस्पताल बनकर तैयार हो जाएगा, फिर उद्घाटन की तिथि तय होगी। एम्स का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही करेंगे। दिसंबर 2021 से पहले ही लोकार्पण की संभावना है। इसी तरह से पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास कराया जाना है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण काम लगभग पूरा हो चुका है। मिट्टी डालने का काम चल रहा है। इसका शिलान्यास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के साथ ही प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर सकते हैं।गौरतलब हो, गोरखपुर से मोदी द्वारा की गई रैली का बड़ा संदेश पूरे पूर्वांचल में जाता है। गोरक्षपीठ का प्रभाव पूर्वांचल सहित यूपी व देश के अलग-अलग राज्यों में है।

कब थमेगा पंजाब कांग्रेस में जारी घमासान ? सिद्धू ने नशे के मुद्दे को लेकर अमरिंदर सरकार को घेरा

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

पंजाब कांग्रेस में जारी अंतर्कलह समाप्त होने का नाम नहीं ले रही है। विवाद लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। इसी बीच प्रदेश कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने एक बार फिर से कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार को घेरा है। दरअसल, सिद्धू ने नशे के मुद्दे को लेकर अपनी ही सरकार से सवाल पूछा है।

सरकार ने नहीं उठाया सख्त कदम

उन्होंने कहा कि पंजाब में नशे की वजह से सैकड़ों बच्चों ने जिंदगी गवा दी। लेकिन पिछले साल सालों में प्रदेश सरकार ने नशे के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाया है। यह कोई पहली दफा नहीं है जब सिद्धू ने अमरिंदर सरकार को घेरा हो। इससे एक दिन पहले ही विधानसभा सत्र को लेकर निशाना साधा था।

सिद्धू ने कहा था कि एक दिन के सत्र से लोगों की समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। उन्होंने ट्वीट किया था कि पंजाब सरकार को जनहित में निजी बिजली संयंत्रों को भुगतान किये जा रहे शुल्क को पुनः निर्धारित करने के लिए पीएसईआरसी को तत्काल निर्देश देना चाहिए और त्रुटिपूर्ण पीपीए (बिजली खरीद समझौता) को अमान्य करना चाहिए। त्रुटिपूर्ण पीपीए को रद्द करने के लिए विधेयक लाने के वास्ते और पांच से सात दिन का विधानसभा सत्र बुलाया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि सिद्धू और अमरिंदर के बीच घमासान जारी है। हालही में सिद्धू खेमे के विधायकों ने मुख्यमंत्री को हटाए जाने की मांग की थी। जिसके बाद पंजाब कांग्रेस प्रभारी हरीश रावत ने स्पष्ट किया था कि पार्टी अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में ही आगामी चुनाव लड़ेगी।

इंदौर में आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हुआ बड़ा खुलासा, तालिबानियों से मिला है कनेक्शन

भोपाल। (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में दंगों की साजिश के आरोप में गिरफ्तार किए गए आरोपियों को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि इन आरोपियों का का तालिबानी कनेक्शन है। वहीं आरोपियों के पास से मिले कई अहम सुराग से इसका खुलासा हुआ है।

दरअसल प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि आरोपियों के पास से 200 आपत्तिजनक सामग्री और दस्तावेज,पेनड्राइव मिली है। इसके साथ ही वहाट्सएप चैट मिले हैं जिनमें पाकिस्तान से ही नहीं बल्कि तालिबान से भी बातचीत के संकेत आएं हैं और अब उसकी जांच हो रही है।

उन्होंने आगे कहा कि जो भी सबूत मिले है उसे वेरीफाई कराया जा रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि हमने इंदौर को अलर्ट मोड पर किया है। इसके जैसे प्रकरण जैसे जैसे सामने आएंगे पुलिस सख्ती से आगे कार्रवाई करेगी। देशद्रोह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और तालिबानी सोच भी मध्यप्रदेश में बर्दाश्त नहीं होगी। नरोत्तम ने कहा कि जांच के लिए पुलिस टीम बनाई गई थी और यह पकड़े गए हैं। आगे भी लोग पकड़े जाएंगे। आपको बता दें इंदौर की खजराना पुलिस ने दंगों की साजिश रचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोपी जावेद खान, अल्तमस, इमरान अंसारी, सैयद इमरान अली सोशल मीडिया के माध्यम अफवाह फैला रहे थे। वहीं इंदौर एसपी आशुतोष बागरी के मुताबिक चारों आरोपी इंदौर में बड़े दंगे भड़काने की साजिश कर रहे थे और गोरिल्ला टेक्निक के जरिए शहर का माहौल बिगाड़ने वाले थे। लेकिन इससे पहले कि वह कामयाब हो पाते पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव महेश्वर चौहान ने कहा कि अदानी और लदानी प्रदेश के बाग़वानों को लूट रहे

शिमला। (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव महेश्वर चौहान ने कहा कि अदानी और लदानी प्रदेश के बाग़वानों को लूट रहे है और ऐसी नाज़ुक स्थिति में हिमाचल के बाग़वानी मंत्री पूरे परिदृश्य से गायब है ।

महेश्वर चौहान ने कहा कि जिस तरह से प्रदेश में सेब के दामों में अचानक गिरावट आई है वो एक बहुत बड़ी चिंता का विषय है। इससे साफ नजर आ रहा है कि सरकार और पूँजीपतियों की मिलीभगत से ये किया जा रहा ।जहां एक तरफ सेब के दामों में आई गिरावट से प्रदेश के बागवान हताश एवं चिंतित है, वहीं दूसरी ओर इस गिरावट से प्रदेश की एक मजबूत आर्थिक को भी धक्का लगेगा।सेब उद्योग को बचाने के लिए केंद्र सरकार से मामला उठाएं प्रदेश सरकार।

उन्होंने कहा की केंद्र सरकार विदेशी सेब के आयात पर रोक लगाएं ।भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव में सेब को विशेष उत्पाद श्रेणी का दर्ज़ा दिलाने व सेब पर आयात शुल्क तीन गुना बढ़ाने की बात की थी। सेब को विशेष उत्पाद की श्रेणी में शामिल करना तो दूर की बात हैं इसके विपरीत सेब पर जो आयात शुल्क 50त्न प्रतिशत हुआ करता था मोदी सरकार ने उसे घटाकर 15त्न प्रतिशत कर दिया हैं जिसके चलते अब विदेशों से सस्ते दामों में सेब आयात होगा और प्रदेश के बागवानों को भारी आर्थिक नुक़सान उठाना पड़ेगा। इसलिय अविलंब प्रदेश सरकार बाहरी देशों से सेब आयात पर रोक लगाने का मामला केंद्र सरकार से उठाएं।

जब सेब उत्पादक इस घोर संकट से गुज़र रहे है और अपने आपको और सेब की आर्थिकी को जीवित रखने के लिए संघर्ष करे रहे है तो प्रदेश के बाग़वानी मंत्री पूरे परिदृश्य से नदारद है।और ऐसे समय में मुख्यमंत्री जी का सेब के तुड़ान को रोकने का बयान भी निराशाजनक है ।बाग़वानों को राम भरोसे छोड़ कर सरकार का सारा ध्यान उप-चुनाव पर ही केंद्रित है। अदानी और लदानी मिलकर बाग़वानों को लूट रहे है और सरकार मुखदर्शक बन कर तमाशा देख रही है ।अदानी द्वारा ज़ारी किए गए सेब के दामों पर तुरन्त हस्तक्षेप करें सरकार।

महेश्वर चौहान ने कहा कि सेब की उत्पादन लागत बढ़ती जा रही हैं। फफूंदनाशक-कीटनाशक दवाइयां महंगी , सेब पैकिंग सामग्री के मूल्यों में 25-30त्न की वृद्धि, पेट्रोल-डीज़ल के दामों में बढ़ोतरी के चलते भाड़े में भी अतिरिक्त वृद्धि हुई हैं। उन्होंने कहा कि उत्पादन लागत में अप्रत्याशित वृद्धि हुई हैं और इसके बावजूद भी अदानी ग्रुप इस वर्ष बरसों पहले निर्धारित किए गए दामों पर बाग़वानों से सेब ख़रीद रहा हैं। सरकार तुरन्त इस मामले में हस्तक्षेप करे अदानी प्रबंधन से बातचीत कर उनकी मनमानी पर रोक लगायें और बागवानों के हितों की रक्षा करे।

पछतावा है कि मेरी पार्टी ने पंचायत चुनाव नहीं लड़ा: नेंका अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर। (एजेंसी)।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को इस बात का पछतावा है कि उनकी पार्टी ने जम्मू-कश्मीर में 2018 में हुए पंचायत चुनाव का बहिष्कार किया था। जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लिए जाने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने सितम्बर 2018 में पंचायत चुनाव नहीं लड़े थे और 2019 में खंड विकास परिषद (बीडीसी)के चुनाव का भी बहिष्कार किया था। संसदीय राज संस्थानों (पीआरआई) को मजबूत करने के लिए आयोजित संसदीय सम्पर्क कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को फारूक अब्दुल्ला ने विश्वास व्यक्त किया कि जम्मू-कश्मीर में जल्द एक सरकार बनेगी, जिसमें अधिकारी, जनता के प्रति जवाबदेह होंगे। फारूक अब्दुल्ला के संबोधन के समय मंच पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद थे। सिन्हा से पंचायत नेताओं को सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि आतंकवादियों द्वारा उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, '' देश के साथ खड़े राजनेता, आतंकवादियों के निशाने पर हैं और उनकी रक्षा करना देश का कर्तव्य है।'' सितम्बर 2018 में हुए स्थानीय चुनाव के बारे में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कहा, '' मुझे पछतावा है कि मेरी पार्टी ने पंचायत चुनाव नहीं लड़ा।'' अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन के अधिकारियों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, '' वे फोन नहीं उठाते जैसे उनके ऊपर कोई भूत मंडरा रहा हो।'' उन्होंने सिन्हा से अनुरोध किया कि वे अधिकारियों को लोगों के फोन कॉल का जवाब देने का आदेश दें।

सार समाचार

इजरायल में फिर से कोरोना का कहर, जनवरी के बाद सबसे ज्यादा मामले आए

यरुशलम। इज़राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में कोरोना वायरस का डेल्टा स्वरूप फैलने से दैनिक मामलों ने नया रिकॉर्ड बनाया है। इज़राइल में सोमवार को कोविड-19 के 10,947 नए मामले दर्ज किए गए हैं। सिर्फ दो दिन बाद ही स्कूल खोले जाने हैं जिनमें 24 लाख छात्रों के जाने की संभावना है। देश में इस साल 18 जनवरी को संक्रमण के 10,118 नए मामले आए थे। इज़राइल उन देशों में शामिल है जहां सबसे तेज़ी से टीकाकरण हुआ था। देश में पात्र जनसंख्या को कोविड रोधी टीके की तीसरी वर्धक खुराक लगाई जा रही है। बंद स्थानों पर ही मास्क लगाने की अनिवार्यता है। हालांकि सरकार ने सुरक्षा उपायों को बेहतर तरीके से लागू करने का वादा किया है। देश की 93 लाख आबादी में से करीब 60 लाख लोगों को फाइजर के टीके की कम से कम एक खुराक लगा दी गई है। करीब 22 लाख लोगों को टीके की तीसरी खुराक भी लगा दी गई है।

लीबिया के तट से 1,000 से अधिक अवैध प्रवासियों को बचाया गया

त्रिपोली। पिछले एक सप्ताह में लीबिया के तट से 1,000 से अधिक अवैध प्रवासियों को बचाया गया है। ये जानकारी अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने दी। आईओएम ने कहा, अगस्त 22-28 की अवधि में, 1,131 प्रवासियों को समुद्र में बचाया और अवरोधित किया गया और वे लीबिया लौट आए हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संगठन ने कहा कि महिलाओं और बच्चों सहित कुल 23,550 अवैध प्रवासियों को बचाया गया और उन्हें लीबिया लौटा दिया गया। इसमें कहा गया है कि इस साल अब तक मध्य भूमध्य मार्ग पर लीबिया के तट से 446 अवैध प्रवासियों की मौत हो चुकी है और 648 अन्य लापता हो गए हैं। 2011 में दिवंगत नेता मुअम्मर गद्दाफी के पतन के बाद से लीबिया असुरक्षा और अराजकता का सामना कर रहा है, जो उत्तरी अफ्रीकी देश को अवैध प्रवासियों के लिए प्रस्थान का पसंदीदा बिंदु बनाता है जो भूमध्य सागर को यूरोपीय तटों पर पार करना चाहते हैं। भूमध्य सागर को पार करके यूरोप जाने वाले 90 प्रतिशत लोग लीबिया से प्रस्थान कर रहे हैं। इनमें से बचाए गए प्रवासियों को बंद करने के लिए बार-बार अंतर्राष्ट्रीय कॉल करने के बावजूद, लीबिया भर में भीड़भाड़ वाले स्वागत केंद्रों के अंदर समाप्त हो जाते हैं। यूएनएचसीआर के अनुसार, वर्तमान में 223,949 आंतरिक रूप से विस्थापित लीबियाई हैं।

आयरलैंड में जुलाई में विदेशी यात्री आगमन में 138 प्रतिशत से ऊपर हुई बढोत्तरी

डबलिन। देश के केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) ने कहा कि जुलाई में विदेशों से कुल 3,80,700 यात्री आयरलैंड पहुंचे, जो पिछले महीने की तुलना में 138 प्रतिशत अधिक है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग पर नजर रखने वालों ने मुख्य रूप से जुलाई में आयरलैंड के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों पर प्रतिबंधों में ढील देने के लिए तेज वृद्धि को जिम्मेदार ठहराया। 19 जुलाई से, आयरलैंड को अब अन्य यूरोपीय संघ के देशों के यात्रियों को आगमन पर क्वारंटीन करने की आवश्यकता नहीं है, यदि वे कोविड -19 के खिलाफ पूरी तरह से टीका लगाए गए हैं, पिछले छह महीनों में बीमारी से उबर चुके हैं या 72 घंटों के भीतर एक निगेटिव पीसीआर टेस्ट हुआ है। यूएस, यूके, आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विटजरलैंड के यात्रियों के लिए भी नियमों में ढील दी गई है और जुलाई में आयरलैंड में विदेशी यात्रियों के आगमन में सालाना आधार पर 67.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सीएसओ ने कहा, हालांकि, जुलाई 2021 का आंकड़ा अभी भी जुलाई 2019 में महामारी से पहले की तुलना में 82.9 प्रतिशत कम है, जब देश ने 22 लाख से अधिक यात्रियों को विदेश से आते देखा गया है।

तूफान ईडा ने अमेरिकी ऊर्जा उत्पादन को किया प्रभावित

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य लुसियाना में सप्ताहांत में श्रेणी 4 के तूफान के रूप में पहुंचने वाले इडा ने खाड़ी तट के साथ देश के अधिकांश गैसोलीन शोधन और तेल उत्पादन को रोक दिया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में देश में गैस की कीमतें बढ़ सकती हैं। ऊर्जा विशेषज्ञों ने कहा कि संभावित बढ़ोतरी से मुद्रास्फीति बढ़ सकती है जो पहले से ही अमेरिकी उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचा रही है। अमेरिकन ऑटोमोबाइल एसोसिएशन के अनुसार, देश में नियमित ईंधन के एक गैलन की औसत कीमत सोमवार को 3.15 डॉलर थी, जो एक हफ्ते पहले की तुलना में 1 प्रतिशत कम है, लेकिन एक साल पहले की तुलना में 92 सेंट अधिक है। हालांकि, सोमवार के शुरूआती कारोबार में थोक पेट्रोल वायदा लगभग 5 सेंट अधिक था। ईंधन-बचत ऐप गैसबडी के पेट्रोलियम विश्लेषण के प्रमुख पैट्रिक डी हान ने स्थानीय मीडिया को बताया, हमने कीमतों में तीन सप्ताह की गिरावट देखी है, लेकिन शायद यह इस सप्ताह समाप्त हो जाएगी। यूएस ब्यूरो ऑफ सेफ्टी एंड एनवायर्नमेंटल एनफोर्समेंट के अनुसार, रविवार को तूफान इडा के लैंडफॉल से पहले मैक्सिको की खाड़ी में अपतटीय प्लेटफार्मों और रिगों पर 95 प्रतिशत से ज्यादा तेल उत्पादन बंद कर दिया गया था। स्थानीय विशेषज्ञों ने कहा कि भूस्खलन, बाढ़ या लंबे समय तक बिजली की कटौती के बाद भी रिफाइनरियों और पाइपलाइनों को कई दिनों तक ऑफलाइन रखा जा सकता है। एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, लुइसियाना देश की सात सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से तीन का घर है, जो इसकी 15 रिफाइनरियों में यूएस की कुल रिफाइनिंग क्षमता का 17.5 प्रतिशत है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर जारी अत्याचार, जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में हुई तोड़फोड़, कराची में 3 चर्च ध्वस्त

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

धर्म के आधार पर बने देश पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जाना तो आम बात हो गया है। आए दिन वहां से मंदिर तोड़े जाने की खबर आती है तो कभी भगवान की मूर्तियों को निशाना बनाया जाता है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में मंदिर पर हमला हो गया और कुछ लोगों ने भगवान कृष्ण की मूर्ति तोड़ दी। इसी महीने पाकिस्तान में गणेश मंदिर पर भी हमला हुआ था और अब सिंध प्रांत में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला। जन्माष्टमी के दिन मंदिर पर हमला हुआ और भगवान कृष्ण की मूर्ति तोड़ दी गई। घटना के बाद सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर साझा की गई जिसमें देखा जा सकता था कि कैसे श्रद्धालु के साथ मारपीट की जा रही है। यह हमला तब किया गया जब मंदिर में श्रद्धालु कृष्णाष्टमी की पूजा कर रहे थे।

3 गिरजाघरों को किया गया ध्वस्त

पाकिस्तान में ईसाई समुदाय के पवित्र स्थल गिरजाघर भी धवस्त किए जाने की खबर है। हालांकि गिरजाघरों को किसी चरमपंथी या कट्टरपंथी समूहों ने नहीं बल्कि प्रशासन द्वारा ध्वस्त किया गया है। द डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में पाकिस्तान के कराची में प्रशासन ने ईसाई समुदाय के पवित्र स्थल गिरजाघर को तोड़ दिया है। अखबार के माध्यम से बताया गया है कि कराची के गुर्जर नाले के चार में से तीन गिरजाघरों को 29 अगस्त को प्रशासन द्वारा ध्वस्त कर दिया गया। बताया गया है कि अतिक्रमण को हटाने के लिए ऐसा किया गया है। सेंट जोसेफ कैथोलिक चर्च में प्रार्थना समाप्त होने के ठीक बाद प्रशासन ने घटना को अंजाम दिया। अखबार ने यह भी बताया है कि चर्च के सामने का हिस्सा पहले ही अतिक्रमण विरोधी अभियान में नष्ट कर दिया गया था।

महीने की शुरुआत में मंदिर को क्षतिग्रस्त किया गया था

पाकिस्तान में हिंदुओं और हिंदू मंदिर पर हमले की घटना आम है। इससे पहले इसी महीने की शुरुआत में रहीम यार खान में मंदिर पर हमला हुआ था। घटना के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जो अधर्म, अत्याचार और पाप की पूरी कहानी बयां करती नजर आ रही थी। बच्चे, बूढ़ें और जवान कोई हाथों में पत्थर उठाए तो कोई लकड़ी का डंडा जिसको जो हाथ लग रहा है उसको लेकर मंदिर के ऊपर अपनी भड़ास निकालता नजर आ रहा है। मंदिर में तोड़ फोड़ के दौरान नारा ए तकबीर और अल्लाह हू अकबर जैसे नारे भी लगाए जा रहे थे। सैकड़ों की संख्या में लोग मंदिर के अंदर दाखिल होते और मंदिर को नुकसान पहुंचाने के साथ ही

मूर्तियों को अपना निशाना बनाते हैं। हालात इतने बेकाबू थे कि पुलिस भी मूक दर्शक बनी रही। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में इमरान सरकार को फटकार भी लगाई थी। जिसके बाद पाकिस्तान सरकार ने बाद में कहा कि उसने पंजाब प्रांत में मंदिर को फिर से ठीक करने का काम पूरा कर लिया है।

सउदी अरब के हवाईअड्डे पर ड्रोन अटैक के पीछ कौन? 24 घंटे में दूसरा हमला

दुबई। (एजेंसी)।

सउदी अरब के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में एक हवाईअड्डे पर मंगलवार को हुए ड्रोन हमले में आठ लोग घायल हो गए और एक यात्री विमान को नुकसान पहुंचा। देश के सरकारी टेलीविजन ने यह जानकारी दी। यमन के साथ जारी युद्ध के बीच सउदी अरब पर यह सबसे हालिया और पिछले 24 घंटे में अभा हवाईअड्डे पर हुआ दूसरा हमला है। अभी किसी ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हवाईअड्डे पर हुए पहले हमले में कोई हताहत नहीं हुआ।

इस हमले के लिए यमन के ईरान समर्थित शिया हुती विद्रोहियों को जिम्मेदार समझा गया था। इन हमलों से महज कुछ दिन पहले यमन के दक्षिण हिस्से में एक अहम सैन्य ठिकाने पर ड्रोन हमले में सऊदी समर्थित 30 यमन सैनिक मारे गये थे। इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली। सउदी नीत सैन्य गठबंधन की 2015 से यमन में ईरान समर्थित शिया (हुती) विद्रोहियों से लड़ाई चल रही है जो सउदी अरब के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों, सैन्य प्रतिष्ठानों और अन्य अवसंरचना को निशाना बनाते रहे हैं।

अफगानिस्तान में 20 साल पुराने युद्ध को समाप्त करना राष्ट्रपति बाइडेन की ऐतिहासिक उपलब्धि या नाकामी?

वाशिंगटन (एजेंसी)।

भारतीय मूल के अमेरिकी डेमोक्रेटिक नेता अजय जैन भूटोरिया ने कहा है कि अफगानिस्तान में 20 साल पुराने युद्ध को समाप्त करना राष्ट्रपति जो बाइडेन की ऐतिहासिक उपलब्धि है। भूटोरिया, बाइडेन के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए चले अभियान के पहले दिन से ही उनके सबसे मजबूत समर्थकों में से एक हैं। सिलिकॉन वैली से आने वाले भूटोरिया ने कहा, इस अराजक और 20 साल लंबे युद्ध को समाप्त करना राष्ट्रपति बाइडेन की एक ऐतिहासिक उपलब्धि और मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि एक कमांडर इन चीफ के रूप में बाइडन ने अद्वितीय परिणामों के साथ काबुल में इस अत्यधिक जोखिम भरे मिशन को अंजाम देने के लिए सैनिकों और राजनयिकों का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया।

अफगानिस्तान में युद्ध की समाप्ति की घोषणा के तुरंत बाद भूटोरिया ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति

बाइडन ने हवाई मार्ग से लोगों को निकालने की प्रक्रिया का नेतृत्व किया। कल्पना से अधिक, हजारों लोगों को निकाला गया। हम फ्रेमोंट, कैलिफोर्निया और संयुक्त राज्य अमेरिका के अन्य हिस्सों में अपने अफगान सहयोगियों का उनके नए घरों में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा मैं राष्ट्रपति बाइडन, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, हमारे सैनिकों और पूरी टीम को अफगानिस्तान से हमारी वापसी और लोगों की निकालने की प्रक्रिया पूरी करने पर बधाई देता हूं।

तालिबानी नेता का इंटरव्यू लेने वालीं एंकर बेहेश्ता अरघंद ने अफगानिस्तान को कहा अलविदा, जानिए इसकी वजह

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान का राज है। 15 अगस्त को राजधानी काबुल में तालिबान की एंट्री के साथ ही राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया। इसके बाद 17 अगस्त को तालिबान नेता ने अफगानिस्तान की महिला एंकर को एक इंटरव्यू दिया। जो खूब वायरल हुआ। दरअसल, टोलो न्यूज की महिला एंकर बेहेश्ता अरघंद ने अफगानिस्तान को अलविदा कहा है।

क्या बदल गया है तालिबान ?

आपको बता दें कि महिला एंकर को दिए इंटरव्यू का सहारा लेकर तालिबान ने यह जताने का प्रयास किया कि अब वह बदल चुका है। क्योंकि पहले का तालिबान काफी खूंखार था। लेकिन इस बार का तालिबान महिला एंकर के सवालों का जवाब दे रहा है। यह पहली दफा था, जब तालिबान नेता ने किसी महिला एंकर को इंटरव्यू दिया।

तालिबान से डरती हैं महिला एंकर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महिला एंकर ने सीएनएन के साथ बातचीत में

बताया कि उन्होंने तालिबान के डर से अफगानिस्तान को छोड़ा है और जब तक वहां पर सुरक्षा के हालातों में सुधार नहीं होता है, वह वापस अफगानिस्तान नहीं जाएंगी।

वहीं, टोलो न्यूज के मालिक साद मोहसेनी ने बताया कि टोलो न्यूज के हालत बिल्कुल अफगानिस्तान की तरह है। यहां पर काम करने वाले पत्रकार लगातार नौकरी छोड़ रहे हैं, क्योंकि वो लोग तालिबान से डर रहे हैं। सीएनएन के साथ बातचीत में मोहसेनी ने बताया कि उनके सामने दो रास्ते हैं। पहला जो डर रहे हैं, उन्हें बाहर निकलने में मदद करना और दूसरा संस्थान को चलाते रहना।

गौरतलब है कि काबुल हवाई अड्डे से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान का पूरी तरह से अफगानिस्तान पर कब्जा हो गया है। तालिबान ने मंगलवार को काबुल हवाई अड्डे पर कब्जे की घोषणा भी की। दरअसल, अमेरिकी सैनिकों के जाने के बाद तालिबान के लड़ाकों ने गोलियां बरसाईं।

एक करोड़ अफगान बच्चों को मानवीय सहायता की सख्त जरूरत: यूएन

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में करीब एक करोड़ बच्चों को मानवीय सहायता की सख्त जरूरत है और यूनिसेफ उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए करीब 20 करोड़ डॉलर की अपील कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने यह घोषणा की।

अफगानिस्तान में यूनिसेफ के प्रतिनिधि, हर्वे डी लिस ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, अपील में पानी और स्वच्छता, बाल संरक्षण, पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, डी लिस ने कहा कि इस संकट के लिए सबसे कम जिम्मेदार लोग सबसे अधिक कीमत चुका रहे हैं, जिसमें 26 अगस्त से काबुल में अत्याचारों की एक श्रृंखला में मारे गए और घायल हुए बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस साल अकेले 550 से अधिक बच्चे मारे गए हैं और 1,400 से अधिक घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट रूप से एक ऐसे देश में बाल-संरक्षण संकट है जो पहले से ही एक बच्चों के लिए पृथ्वी पर सबसे खराब जगहों में से एक है। संघर्ष और असुरक्षा की पृष्ठभूमि में, बच्चे ऐसे समुदायों में रह रहे हैं, जो संकटग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास पोलियो सहित जीवन रक्षक टीके नहीं हैं, यह एक ऐसी बीमारी

है जो बच्चों को जीवन भर के लिए मुसीबत में डाल सकती है। डी लिस ने कहा, कई लोग इतने कुपोषित हैं कि वे अस्पताल के बिस्तरों में इतने कमजोर हैं कि एक फैली हुई उंगली को पकड़ नहीं सकते। ये बच्चे स्वस्थ और संरक्षित बचपन के अपने अधिकार से वंचित हैं। यूनिसेफ उन रिपोर्टों को लेकर चिंतित है जिसमें कहा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय दानदाता न केवल एजेंसी के लिए बल्कि अन्य सहायता समूहों के लिए भी इस कठिन समय में देश की सहायता में कटौती कर रहे हैं या रोक रहे हैं। उन्होंने कहा कि एजेंसी देश भर में कार्यक्रमों को वितरित करने के लिए आवश्यक सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में भी चिंतित है।

अफगानिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ यूएनएससी का प्रस्ताव जैश, लश्कर पर लागू होता है: श्रृंगला

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मांग की है कि तालिबान को अन्य देशों के खिलाफ हमलों के लिए आतंकवादियों को अपने क्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए और यह लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद पर लागू होगा। ये जानकारी भारत के विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने दी है।

यह संकल्प सोमवार को भारत की अध्यक्षता में एक विभाजित परिषद द्वारा अपनाया गया था, जहां चीन और रूस आउटलेयर थे जिन्होंने प्रस्ताव पर वोट से परहेज किया था, लेकिन इसके पीछे की भावनाओं के लिए भारी वैश्विक समर्थन को देखते हुए इसे वीटो करने से परहेज किया।

अन्य सभी 13 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया।

श्रृंगला ने कहा कि भारत ने परिषद में रचनात्मक और ब्रिजिंग भूमिका निभाई और सर्वसम्मति-आधारित परिणामों के लिए काम किया और यह कूटनीति अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस द्वारा प्रस्तावित प्रस्ताव को चीन द्वारा वीटो से बचाने में स्पष्ट थी। रूस ने भले ही उन्होंने अपना विरोध व्यक्त किया हो। श्रृंगला ने अफगानिस्तान पर बैठक की अध्यक्षता करने के बाद सुरक्षा परिषद के बाहर संवाददाताओं से कहा, इसलिए आज का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव एक बहुत ही महत्वपूर्ण और समय पर घोषणा है, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की अध्यक्षता के दौरान होता है।

इस प्रस्ताव में यह भी मांग की गई कि तालिबान मानवाधिकारों को कायम रखे, उन लोगों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करे जो अफगानिस्तान छोड़ना चाहते हैं और मानवीय सहायता की अनुमति देते हैं। श्रृंगला ने कहा कि भारत प्रस्ताव से बेहद खुश है क्योंकि यह परिषद की इच्छा को उजागर करता है कि वह आवश्यक कदम उठाए जो अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए अफगानिस्तान के साथ जुड़ाव में बहुत महत्वपूर्ण हैं।

यूएस सेंट्रल कमांड के कमांडर जनरल केनेथ मैकेंजी ने घोषणा की, आज रात की वापसी निकासी के सैन्य घटक के अंत का प्रतीक है, लेकिन अफगानिस्तान में 11 सितंबर, 2001 के तुरंत बाद शुरू हुए लगभग 20 साल के मिशन के अंत का भी प्रतीक है।

संयुक्त राष्ट्र में, श्रृंगला ने कहा, मैं इस तथ्य को उजागर करना चाहता हूं कि प्रस्ताव यह बहुत स्पष्ट करता है कि अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल किसी अन्य देश को धमकी देने या हमला करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। विशेष रूप से, यह आतंकवाद का मुकाबला करने के महत्व को भी रेखांकित करता है।

यह उन व्यक्तियों और संस्थाओं को भी संदर्भित करता है जिन्हें सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1267 (आतंकवादी के रूप में) के तहत नामित किया गया है। उस संदर्भ में मैं उल्लेख कर सकता हूं कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर और जेईएम, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधित संस्थाएं, आतंकी संस्थाएं हैं जिन्हें बाहर निकालने की जरूरत है और उनकी कड़ी से कड़ी निंदा की जाती है।

उन्होंने कहा कि परिषद आतंकवाद पर स्पष्ट है। प्रस्ताव में कहा गया है कि अफगानिस्तान का इस्तेमाल किसी भी देश को धमकाने या हमला करने या आतंकवादियों को पनाह देने या प्रशिक्षित करने या आतंकवादी कृत्यों की योजना बनाने या उन्हें वित्तपोषित करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। श्रृंगला ने कहा, और मुझे लगता है कि यह परिषद के सदस्यों के विचारों को भी दर्शाता है, जैसा कि हम इसे चर्चा से समझते हैं।

हालांकि, प्रस्ताव के अन्य पहलुओं के साथ उनके मतभेद थे, रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेन्ज़िया और चीन के उप स्थायी प्रतिनिधि गेंग शुआंग अपने वोट के बाद अपने भाषणों में बहुत कड़े शब्दों में मांग करने में शामिल हुए कि तालिबान आतंकवादियों को अपने क्षेत्र से संचालित करने की अनुमति नहीं देता है। अमेरिका की स्थायी प्रतिनिधि लिंडा थॉमस-ग्रीफील्ड ने संवाददाताओं से कहा, सुरक्षा परिषद आतंकवाद से निपटने के महत्व पर अपने स्थायी आह्वान को दोहराती है। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान फिर कभी आतंकवाद का सुरक्षित पनाहगाह नहीं बन सकता। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि अफगानिस्तान महिलाओं, लड़कियों और अल्पसंख्यकों सहित अपने लोगों के अपरिहार्य अधिकारों का सम्मान करें।

संपादकीय

काबुल की चिंता

अमेरिका कभी अफगानिस्तान में धमाकों के साथ घुसा था और आज लौटते हुए भी धमाके जारी हैं। आतंकवाद की असली जड़ों में मट्ठा न डालने का नतीजा सामने है। हालात काबुल में सबसे बदतर हैं। एयरपोर्ट पर हुए हमले में शहीद अपने सैनिकों का बदला लेने के लिए अमेरिका एक हद तक दृढ़ नजर आ रहा है, लेकिन पूरी अमेरिकी सैन्य कवायद अपनी रक्षा के लिए भी हो सकती है। अपनी रक्षा के लिए आक्रामक होना एक रणनीति ही है, जो हम पहले भी देख चुके हैं। खैर, तालिबान दहशतगर्दी का दामन छोड़ने को तैयार नहीं है, वह शायद जाते हुए अमेरिका को डराकर भेजना चाहता है, ताकि वह फिर कभी अफगानिस्तान में वापसी की न सोचे। इस बीच काबुल में युद्ध का आलम है। कहां बम बरस जाए, कहां फिदाईन हमला हो जाए, कोई नहीं जानता। लोग न घरों में सुरक्षित हैं और न ही सड़कों पर। ज्यादा आशंका यही है कि आने वाले कुछ दिनों तक स्थितियां ऐसी ही रहेंगी और दोनों पक्ष ऐसी स्थितियों के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते रहेंगे। सबसे ज्यादा खतरा तो आईएस की तरफ से है, जिसके आतंकी दहशत को बढ़ाने में दिन-रात लगे हुए हैं। दुनिया की भलाई इसी में है कि वह दहशत के हर बहते दरिया में हाथ धोने के शौकीनों को पहचान ले। वैसे अमेरिका ने ड्रोन की मदद से शनिवार को भी हमले किए थे और रविवार को भी। उसने पहले ही साफ कर दिया था कि वह चुन-चुनकर बदले लेगा। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने काबुल में रविवार को हुए अमेरिकी हवाई हमले की निंदा करते हुए कहा है कि दूसरे देशों में मनमाने ढंग से हमले करना गैर-कानूनी है। शनिवार को आईएस के दो आतंकी मारे गए थे, जबकि रविवार के हमले में सात लोग मारे गए हैं। जाहिर है, अमेरिकी कार्रवाई से तालिबान नाखुश हैं और धमकी की जुबान पर उतर आया है। अमेरिका यह साबित करने में कामयाब रहा है कि उसने हमला करने आ रहे आतंकवादियों को निशाना बनाया, जबकि तालिबान का कहना है कि कोई खतरा था, तो उसकी सूचना मिलनी चाहिए थी। क्या अफगानिस्तान में अमेरिका को सूचना देकर आतंकवादियों पर हमला करना चाहिए? क्या तालिबान आतंकवादियों को पकड़ने में मदद करेंगे? क्या खुद तालिबान की हरकतें आतंकियों जैसी नहीं हैं? निर्दोष लोगों की हत्या करना, एक गायक को घर से निकालकर गोली मार देना कहां की सभ्यता है? अमेरिका को यह बात बार-बार पुरजोर तरीके से रखनी चाहिए कि तालिबान ने कब्जा किया है, ये कोई वैध शासक नहीं हैं। सत्ता के ऐसे हस्तांतरण के लिए समझौता नहीं हुआ था। अफसोस, चीन और पाकिस्तान खुलकर तालिबान के पक्ष में नजर आ रहे हैं। चीन ने तो यहां तक कहा है कि दुनिया तालिबान को रास्ता दिखाए। कहीं अमेरिका या भारत से दुश्मनी निभाने के फेर में चीन परोक्ष रूप से तालिबान का दुस्साहस न बढ़ा दे। अगर चीन सांप्रदायिकता को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना चाहेगा, तो अपने नैतिक आधार को उत्तरोतर और कमजोर ही करेगा। सत्ता के भूखे तालिबान न मजहब की सेवा करेंगे और न इंसानियत की। चीन उन्हें अपनी रीति-नीति के रास्ते पर ले जाएगा या सिर्फ अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करेगा? यह तालिबान से भी ज्यादा पाकिस्तान को सोचना चाहिए।

'आज के ट्वीट

लोग

कमजोर लोग बदला लेते हैं, शक्तिशाली लोग माफ कर देते हैं, बुद्धिमान लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

-- विवेक बिन्द्रा

ईश्वर अनादि काल से हमारा साथी है और हमेशा रहेगा

– मनमोहन कुमार आर्य

अथर्ववेद के एक मन्त्र 'अन्ति सन्तं न जहात्यन्ति सन्तं न पश्यति। देवस्य पश्य काव्यं न ममार न जीर्यति।।' में कहा गया है कि ईश्वर जीवात्मा के अति समीप है। वह जीवात्मा का त्याग नहीं करता। इसका दूसरा अर्थ यह भी है कि ईश्वर हमारे अति समीप है, जीवात्मा उसका त्याग नहीं कर सकता परन्तु अति निकट होने पर भी वह उसका अनुभव नहीं करता है। अतः इस मन्त्र की प्रेरणा से हमें अपनी आत्मा के भीतर निहित व उपस्थित ईश्वर को जानना व उसका अनुभव करना है। ऐसा करने से हमारा ईश्वर के विषय में अज्ञान दूर हो सकेगा। यदि हम इस प्रश्न की उपेक्षा करेंगे तो इससे हमारी बड़ी हानि होगी। हम अपने जीवन में सही निर्णय नहीं ले सकेंगे और सही निर्णय न लेने से हमें उनसे जो लाभ होना है, उससे वंचित हो जायेंगे। मनुष्य जब वेदाध्ययन करता है तो उसे ऋग्वेद के प्रथम मंत्र में ही ज्ञात हो जाता है कि हम प्रकाशस्वरूप, ज्ञानस्वरूप, अज्ञान व अविद्या को दूर करने वाले, अग्नि के समान तेजस्वी व देदीप्यमान तथा सब ऐश्वर्यों के स्वामी ईश्वर को जानें वा उसकी उपासना करें। जब हम ईश्वर को जान जायेंगे तो हमें ज्ञात होगा कि संसार में हमारा आदर्श केवल ईश्वर ही हो सकता है। हमें ईश्वर के गुणों को जानना व उनको जीवन में धारण करना है। ईश्वर के गुणों को धारण करना और वैसा ही आचरण करना धर्म कहा जाता है। जिस मनुष्य के जीवन में ईश्वर के समान श्रेष्ठ गुण होते हैं, उन गुणों के अनुसार ही उसके कर्म और स्वभाव भी होता है। वह मनुष्य समाज में यश व सम्मान पाता है। ईश्वर को जानने के लिये वेद के अतिरिक्त वेदानुकूल ग्रन्थों का नित्य प्रति स्वाध्याय करना आवश्यक है। नियम है कि हम प्रतिदिन स्वाध्याय करें और स्वाध्याय में कभी अनध्याय न हो। स्वाध्याय के लिये सबसे उत्तम ग्रन्थ है वेद एवं वैदिक साहित्य। सत्यार्थप्रकाश वैदिक साहित्य के अध्ययन का द्वार कह सकते हैं। हमारी दृष्टि में स्वाध्याय आरम्भ करते हुए हमें प्रथम सत्यार्थप्रकाश का अध्ययन करना चाहिये। इससे हमारी अविद्या कम होगी व दूर भी हो सकती है। सत्यार्थप्रकाश इतर अन्य ग्रन्थों में ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, आर्याभिविनय, संस्कारविधि सहित सभी उपनिषद, दर्शन, वेद वा वेदों पर ऋषि दयानन्द व आर्य विद्वानों का भाष्य हैं। स्वाध्याय का यह लाभ होता है कि हमारा उस विषय से सम्बन्ध स्थापित हो जाता है। हम जब उसका अध्ययन करते हैं तो वह विषय हमें विस्तार से अथवा सूक्ष्म रहस्यों सहित विदित हो जाता है। योगदर्शन में अष्टांग योग के अन्तर्गत नियमों में स्वाध्याय को स्थान दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति स्वाध्याय नहीं करता तो फिर वह योगी सम्पूर्ण योगी नहीं हो सकता। यम व नियमों पर विचार करने पर हमें यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, शौच, सन्तोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर-प्रणिधान में स्वाध्याय का महत्वपूर्ण स्थान है। स्वाध्याय से ही हम यम व नियमों के शेष 9 उप-अंगों को भी जानने में समर्थ होते हैं। अतः स्वाध्याय करके हम ईश्वर व उसके गुण, कर्म, स्वभाव सहित उसकी प्राप्ति के उपायों वा साधनों को जान सकते हैं और योगाभ्यास द्वारा समाधि की अवस्था को प्राप्त होकर ईश्वर का साक्षात्कार कर सकते हैं। ईश्वर साक्षात्कार ही मनुष्य जीवन का चरम लक्ष्य है। आवश्यकता से अधिक धनोपार्जन सहित अनैतिक कार्यों व आचरण से धन व सम्पति की प्राप्ति एवं संग्रह धर्मानुकूल न होने से पाप होता है जिससे मनुष्य का वर्तमान एवं भविष्य का जीवन दुःखमय बनता है। वेद में यह भी कहा गया है कि मनुष्य ईश्वर के अत्यन्त समीप होने पर भी उसे देखता वा उसका अनुभव नहीं करता है। इस पर विचार करते हैं तो यह विदित होता है कि ईश्वर गुणी है। उसके गुणों को जानना तथा उन गुणों का सृष्टि में प्रत्यक्ष करना ही ईश्वर को देखना कहलाता है। वेदों के अनुसार ईश्वर सच्चिदानन्दस्वरूप है। इसका अर्थ है कि ईश्वर सत्य, चित्त एवं आनन्दस्वरूप है। इन गुणों को देखने के लिये हमें इस सृष्टि के कर्ता को जानना होता है। जब हम यह समझ लेते हैं कि यह सृष्टि ईश्वर के द्वारा इसके उपादान कारण प्रकृति से बनी है, तो हमें उसकी सत्ता सहित उसके चेतन, ज्ञान युक्त तथा कर्म की सामर्थ्य से युक्त होने का ज्ञान होता है। इतनी बड़ी सृष्टि को आनन्द से रहित चेतन सत्ता, जो जन्म-मरण में भी परतन्त्र है, इस वृहद सृष्टि का निर्माण नहीं कर सकती। यदि ईश्वर में आनन्द न हो तो वह आनन्द की प्राप्ति में प्रयत्नरत रहेगा जिससे वह सृष्टि का निर्माण नहीं कर सकता। सृष्टि का अतीत में निर्माण अवश्य ही हुआ है। सृष्टि हमें अपने नेत्रों से स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रही है और विगत 1.96 अरब वर्षों से यह सृष्टि आदर्श रूप में संचालित भी हो रही है। अतः ईश्वर का आनन्द गुण से युक्त होना सिद्ध होता है। मनुष्य चेतन, एकदेशी, ससीम और अल्पज्ञ सत्ता है। जब आत्मवान मनुष्य अस्वस्थ, सुख व आनन्द से रहित तथा दुःखी होता है तो यह अपने सामान्य कामों को भी नहीं कर सकता। ज्वर हो जाने पर मनुष्य को विश्राम करने की सलाह दी जाती है। अतः इस सृष्टि को बनाने व चलाने वाली सत्ता ईश्वर का सत्य होना, चेतन होना तथा आनन्द से युक्त होना अनिवार्य है। तभी यह सृष्टि बन व चल सकती है। इस प्रकार वेदाध्ययन के द्वारा हम ईश्वर के सत्यस्वरूप को जानकर उसको अपने भीतर व बाहर अनुभव कर सकते हैं। ईश्वर हमारे अत्यन्त निकट वा हमारी आत्मा के भीतर व बाहर विद्यमान है। उसको जानकर उसका प्रत्यक्ष करने के लिये ही योग में प्रथम छः अंगों के पालन सहित शेष दो अंगों ध्यान व समाधि में ईश्वर का साक्षात् अनुभव करने का अभ्यास किया जाता है। ध्यान व समाधि की साधना जब सिद्ध हो जाती है तब ईश्वर साधक की आत्मा में अपने स्वरूप का प्रकाश कर देता है। हम इसे इस प्रकार समझ सकते हैं कि ईश्वर साक्षात्कार से पूर्व हमारी स्थिति अन्धकार में विचरण करने वाले मनुष्य के समान होती है। हमें वहां उपस्थित वस्तुओं का ज्ञान नहीं होता अर्थात् मनुष्य उन्हें देख नहीं पाता है। जब वहां एक दीपक जला देते हैं तो इससे अन्धकार नष्ट हो जाता है और वहां उपस्थित सभी वस्तुयें निर्दोष रूप में स्पष्ट दिखाई देती हैं। इसी प्रकार से ध्यान व समाधि की सिद्धि होने पर आत्मा में प्रकाश उत्पन्न होता है जिससे ईश्वर का सत्यस्वरूप प्रत्यक्ष अनुभव होता है। योगियों द्वारा ईश्वर का साक्षात्कार होने पर वेद की यह बात सत्य सिद्ध होती है ईश्वर हमारे समीप अर्थात् हमारी आत्मा के भीतर व बाहर विद्यमान है। वेदमन्त्र में तीसरी बात यह कही गई है कि हमें ईश्वर के वेद काव्य को देखना व जानना चाहिये। ईश्वर का वेद काव्य ऐसा है कि जिसको जान लेने पर ज्ञाता न मरता है और न ही जीर्ण होता है। अथर्ववेद के भाष्यकार पं0 विश्वनाथ विद्यालंकार जी ने लिखा है कि मनुष्य व साधक को ईश्वर के वेदकाव्य को देखना चाहिये, जिससे ज्ञात होगा कि इस के दर्शन के उपाय क्या हैं? दर्शन पाकर व्यक्ति मुक्त हो जाता है और बार-बार जन्म ले कर, बार-बार मरने और जीर्ण होने से उसे छुटकारा मिल जाता है। वेदों में एक मन्त्र आता है जिसमें कहा गया है कि मैं वेदों का अध्ययन करने वाला मनुष्य संसार के स्वामी ईश्वर को जानता हूं जो संसार में सबसे महान है। उसी को जानकर मनुष्य मृत्यु से पार जा सकता है। इसके अतिरिक्त जीवन जीने का अन्य कोई मार्ग नहीं है। इससे यह ज्ञात होता है कि वेद पढ़कर ही हम ईश्वर के यथार्थ स्वरूप को जान सकते हैं। ईश्वर और उसका काव्य वेद न कभी मरता है और न कभी जीर्ण होता है अर्थात् सृष्टि के आदि काल से प्रलयावस्था व कल्प-कल्पान्तरों में वेदज्ञान ही मनुष्यों को मृत्यु से पार ले जाकर उन्हें अमृत की प्राप्ति कराता है। वेदों की इस शिक्षा से मनुष्य को इस संसार का रहस्य ज्ञात हो जाता है। रहस्य यह है कि ईश्वर सृष्टिकर्ता है। वह हमारे अति निकट है। अति निकट होने पर भी हम उसे जानते नहीं है। ईश्वर को हम उसके काव्य वेद व उसके स्वाध्याय के द्वारा देख सकते वा जान सकते हैं। ईश्वर को जानना व उसका साक्षात्कार करना ही मनुष्य जीवन का मुख्य उद्देश्य व परम लक्ष्य है। हमें ईश्वर को जानने व उसे प्राप्त करने के अपने कर्तव्य की पूर्ति में तत्पर रहना चाहिये। इसके परिणाम अवश्य ही सुखदायक व मनुष्य जीवन के सभी दुःखों को समाप्त करने में सहायक होंगे।

ज्ञान गंगा

स्वयं को पहचानें

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक बार स्वामी विवेकानंद के आश्रम में एक व्यक्ति आया जो देखने में बहुत दुखी लग रहा था। वह व्यक्ति आते ही स्वामी जी के चरणों में गिर पड़ा और बोला 'महाराज! मैं अपने जीवन से बहुत दुखी हूं, मैं अपने दैनिक जीवन में बहुत मेहनत करता हूं, काफी लगन से भी काम करता हूं लेकिन कभी भी सफल नहीं हो पाया। भगवान ने मुझे ऐसा नसीब क्यों दिया है कि मैं पढ़ा-लिखा और मेहनती होते हुए भी कभी कामयाब नहीं हो पाया हूं।' स्वामी जी उस व्यक्ति की परेशानी को पल भर में ही समझ गए। उन दिनों स्वामी जी के पास एक छोटा-सा पालतू कुत्ता था, उन्होंने उस व्यक्ति से कहा 'तुम कुछ दूर जरा मेरे कुत्ते को सैर करा लाओ फिर मैं तुम्हारे सवाल का जवाब दूंगा।' आदमी ने बड़े आश्चर्य से स्वामी जी की ओर देखा और फिर कुत्ते को लेकर कुछ दूर निकल पड़ा। काफी देर तक अच्छी-खासी सैर कराकर जब वह व्यक्ति वापस स्वामी जी के पास पहुंचा तो स्वामी जी ने देखा कि उस व्यक्ति का चेहरा अभी भी चमक रहा था, जबकि कुत्ता हांफ रहा था और बहुत थका हुआ लग रहा था। स्वामी जी ने व्यक्ति से कहा कि 'यह कुत्ता इतना ज्यादा कैसे थक गया जबकि तुम तो अभी भी साफ-सुथरे और बिना थके दिख रहे हो।' तो व्यक्ति ने कहा 'मैं तो सीधा-साधा अपने रास्ते पर चल रहा था लेकिन यह कुत्ता गली के सारे कुत्तों के पीछे भाग रहा था और लड़कर फिर वापस मेरे पास आ जाता था। हम दोनों ने एक समान रास्ता तय किया है लेकिन फिर भी इस कुत्ते ने मेरे से कहीं ज्यादा दौड़ लगाई है, इसलिए यह थक गया है।' स्वामी जी ने मुस्करा कर कहा 'यही तुम्हारे सभी प्रश्नों का जवाब है, तुम्हारी मंजिल तुम्हारे आसपास ही है वह ज्यादा दूर नहीं है, लेकिन तुम मंजिल पर जाने की बजाय दूसरे लोगों के पीछे भागते रहते हो और अपनी मंजिल से दूर होते चले जाते हो।' यही बात लगभग हम सब पर लागू होती है। प्रायः अधिकांश लोग हमेशा दूसरों की गलतियों की निंदा-चर्चा करने, दूसरों की सफलता से ईर्ष्या-द्वेष करने, और अपने अल्प ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करने के बजाय अहंकारग्रस्त हो कर दूसरों पर रौब झाड़ने में ही रह जाते हैं। अंततः इसी सोच की वजह से हम अपना बहुमूल्य समय और क्षमता दोनों खो बैठते हैं और जीवन एक संघर्ष मात्र बनकर रह जाता है।

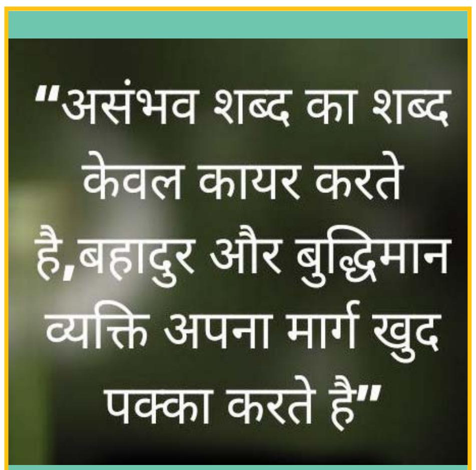

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

इस्लामिक आतंकवाद बड़ी चुनौती

– अनिल निगम

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में आईएसआईएस का नरसंहार और जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर ने जिस तरीके से तालिबान नेता गनी बरादर सहित अनेक नेताओं से भेंटकर कश्मीर में आतंक फैलाने के लिए मदद मांगी है, उससे यह साबित हो गया है कि इस्लामिक आतंकवाद भारत सहित संपूर्ण विश्व शांति के लिए बहुत बड़ा खतरा है। आज इस्लामिक आतंकवाद ने विकराल रूप इसलिए धारण कर लिया है क्योंकि पश्चिम के शक्तिशाली देशों ने एशिया और अफ्रीका में पनप रहे इस आतंकवाद के प्रति हमेशा उपेक्षित रवैया अपनाया है। उनके इसी रवैये का नतीजा है कि आज अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, आस्ट्रेलिया, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देश इसकी चपेट में आ चुके हैं। ध्यातव्य है कि भारत पिछले लगभग साढ़े तीन दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। देश में आतंकवाद को पोषित और पल्लवित करने का काम पाकिस्तान करता रहा है। भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कई मर्तबा यह साबित कर चुका है कि उसके यहां आतंकवाद को पाकिस्तान ही प्रायोजित कर रहा है। वहां पर अनेक आतंकावादी शिविर चल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व के अनेक देश-ब्रिटेन, स्पेन, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी के अलावा अफ़ग़ानिस्तान, बंगलादेश आदि देश इस्लामिक आतंकवाद की चपेट में आ चुके हैं। हालांकि अलकायदा द्वारा 9/11 के हमले के बाद अमेरिका सतर्क हो गया और आंतरिक सुरक्षा के इंतजाम कड़े कर लिए ताकि उसके देश में कोई बड़ी घटना न घटे। लेकिन अफसोसजनक बात यह रही कि उसने इस अंतरराष्ट्रीय समस्या पर अंकुश लगाने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किए। उसने पाकिस्तान और अन्य देशों में चल रहे आतंकवादी शिविरों को बंद कराने के लिए भी कोई गंभीर प्रयास नहीं किए। इसका नतीजा यह हुआ कि भारत में न केवल 26/11 जैसी घटना घटी, बल्कि आतंकवादियों ने कनाडा, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, जर्मनी और ब्रिटेन में बड़ी आतंकी घटनाओं को अंजाम देकर वैश्विक स्तर पर दहशत का माहौल पैदा कर दिया। तालिबान आतंकियों ने अफगानिस्तान में तो आईएसआईएस ने इराक और सीरिया देशों में मानवता को शर्मसार करते हुए जमकर हत्याएं कीं। इन आतंकियों के निशाने पर प्रायः गैर मुसलमान होते हैं, लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान अनेक मुस्लिम भी मारे जाते हैं। इराक और सीरिया में तो अल्पसंख्यकों अथवा गैर इस्लामिक महिलाओं एवं बच्चों को बंधक बनाकर शादी के लिए मजबूर किया। अगर पुरुषों ने इस्लाम कबूल कर लिया तो उनको छोड़ दिया, बाकी को मार दिया। अलकायदा, तालिबान, आईएसआईएस, बोको हराम, हमास, लश्करे तोइबा, हिजबुल मुजाहिद्दी, जम्मू कश्मीर इस्लामिक फंट आदि संगठन एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। लगभग हर देश में ये संगठन कम्युनिस्ट विचाराधारा की आड़ में पल बढ़ रहे हैं। ये राष्ट्र और समाज के विकास में बदनुमा दाग हैं। विडंबना यह है कि अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख मौलाना मसूद अजहर अगस्त के तीसरे सप्ताह में कंधार पहुंच गया। उसने मुल्ला अब्दुल गनी बरादर सहित तालिबान नेताओं से भेंट की और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के लिए तालिबान का समर्थन मांगा। मसूद अजहर 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा करने के बाद तालिबान की 'जीत' पर पहले ही खुशी जता चुका है। तालिबान भारतीय महाद्वीप के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। विश्व के सशक्त देशों को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस इस समय संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के सदस्य हैं। इसलिए इनको महाशक्तियों (पी 5) के रूप में जाना जाता है। चीन तालिबान को लेकर सकारात्मक है। चीन के विदेश मंत्रालय की

प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा कि वे अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण और विकास में चीन की भागीदारी की आशा करते हैं। चीन स्वतंत्र रूप से अपने भाग्य का निर्धारण करने के अफगान लोगों के अधिकार का सम्मान करता है। वह अफगानिस्तान के साथ मैत्रीपूर्ण और सहकारी संबंध विकसित करने और इसे जारी रखने के लिए तैयार है। हालांकि चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अधिक सतर्क रुख अपनाया, लेकिन ऐसा आभास होता है कि बीजिंग आर्थिक रियायतों और अफगानिस्तान की खनिज संपदा तक पहुंचने के बदले तालिबान को सिर आंखों पर बैठाने को तैयार है। रूस तालिबानों का स्वागत करने वाला दूसरा पी 5 देश था। लंबे समय से तालिबान का समर्थन करने वाले रूस के विशेष दूत जमीर काबुलोव ने बताया कि उनका देश पहले से ही तालिबान से बात कर रहा था। लेकिन गौरतलब यह है कि चीन और रूस ने पिछली तालिबान व्यवस्था को मान्यता नहीं दी थी। उधर ब्रिटेन ने यह कहकर सभी को चौका दिया है कि आवश्यक होने पर ब्रिटेन अफगानिस्तान में तालिबान के साथ काम करने को तैयार है। यह बात सोलह आने खरी है कि पाकिस्तान तालिबान का लंबे समय से समर्थक रहा है। विदित है कि अफगानिस्तान के 33 प्रांतों पर तालिबान का कब्जा हो चुका है। काबुल में 26 अगस्त को पहला बड़ा आतंकी धमाका हुआ। काबुल हवाई अड्डे के बाहर जमा भीड़ पर हुए आत्मघाती हमले में लगभग 170 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जिनमें 13 अमेरिकी सैनिक भी शामिल हैं। इस हमले की जिम्मेदारी आईएसआईए-के ने ली। उसके बाद अमेरिका की तंद्रा टूटी और एक बार फिर बखौला गया है। उसने बदले की कार्रवाई कर आतंकियों से बदला लेने की शुरुआत कर दी है। यहां अहम सवाल यह है कि पश्चिम के सक्षम देशों ने इस्लामिक आतंकवाद को पहले नजरअंदाज क्यों किया ? अमेरिका अबतक तंद्रा में क्यों रहा ? संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसके खिलाफ कभी ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की ? क्या ये पश्चिमी देश सिर्फ इसलिए मौन रहे कि इस्लामिक आतंकवाद से सर्वाधिक प्रभावित अफ्रीका और एशिया के देश थे ? उनके इसी उदासीन रवैया की वजह से यह समस्या विकराल हो चुकी है और विश्व शांति के लिए बहुत बड़ा खतरा भी पैदा हो गया है। अब समय आ गया है कि समर्थ देश और संयुक्त राष्ट्र इस समस्या को गंभीरता से लें और इसका सार्थक और सटीक समाधान निकालें ताकि मानव सभ्यता को गंभीर संकट से उबारा जा सके।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

क्या है प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल, कैसे सीखें नहीं होगी जॉब की कमी

जब आप किसी भी कंपनी में इंटरव्यू देने जाते हैं, तो आपसे प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल से संबंधित प्रश्न जरूर पूछे जाते हैं। इन प्रश्नों के माध्यम से कंपनी यह जानना चाहती है कि यदि कंपनी के किसी काम में कुछ समस्या आती है तो आप उसे सुलझा सकते हो या नहीं। क्योंकि ऑफिस में हर दिन किसी न किसी समस्या का सामना करना ही पड़ता है।

चाहे किसी क्लाइंट की समस्या का हल ढूंढना हो या किसी कलीग की मदद करना। समस्याएं हर पेशेवर की जिंदगी का हिस्सा है। अंतर सिर्फ समस्या के स्वरूप का है। इसलिए अपनी प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को पहचानना और उसे तराशना बेहद जरूरी हो जाता है।

प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल क्या है

यह एक ऐसी स्किल है जो अपनी व दूसरों की परेशानियों का हल ढूढ़ने में मदद करता है। इसका अर्थ यह हुआ की व्यक्ति परेशानियों का हल बड़ी जल्दी और आसानी से कर सकता है और ऐसे उपायों को अपनाता है जिससे उसे आ रही दिक्कतों का सामना करने में एक शक्ति मिले। सामान्य तौर पर देखा जाए तो हमें अपने जीवन में कई बार ऐसी परिस्थिति और दिक्कतों से गुजरना पड़ता है। जब हम अकेले होते है और हमारे सुझाव देने वाले व्यक्ति हमसे हमारी बचकानी हरकतों की कोई उम्मीद नहीं करते, इस जगह हमें अपने स्वयं का निर्णय खुद लेना पड़ता हैं।

समस्या की जड़ तक पहुंचकर कारण समझे

किसी भी समस्या को हल करने के लिए सबसे पहले समस्या का मूल कारण पहचानें। जैसे अगर अन्य विभागों की तुलना में आपके विभाग की परफॉर्मेंस खराब है, तो उसके कारण पता लगाएं। हो सकता है कि पहली नजर में आपको इसके लिए देर से काम पूरा करने वाले लोग नजर आएं। लेकिन ट्रेनिंग का अभाव या जरूरत से ज्यादा वर्क लोड भी इसकी वजहें हो सकती हैं। इसलिए हमेशा समस्या की मूल वजह जानने की कोशिश करें। वजह जानने के बाद समस्या का विश्लेषण करें। जैसे क्या स्टाफ कम होने की वजह से कर्मचारियों पर वर्कलोड है या फिर कुछ कर्मचारी को अपग्रेड करने की जरूरत है। आपका विश्लेषणात्मक स्किल समस्या को समझने और असरदार तरीके से हल निकालने में मदद करेगा।

प्रॉब्लम सॉल्विंग के लिए जरूरी स्किल्स

कम्यूनिकेशन स्किल

प्राय: देखा गया है की कुछ परिस्थिति ऐसी भी होती है जहां बातचीत के माध्यम से भी समस्या का हल निकाला जाता है, बड़ी कंपनियां ऐसे कर्मचारी वर्ग की तलाश मे रहती है जिनका कम्यूनिकेशन मजबूत हो, ताकि आने वाले क्लाइंट या कस्टमर से समस्याओं को बहस के माध्यम से भी सुलझाया जा सके।

डिसीजन मेकिंग स्किल

इस स्किल को सबसे अधिक लोगो ने सही माना है क्योंकि व्यक्ति जब स्वयं निर्णय लेता है और उस निर्णय पर काम करता है तो उसे अंदर से साहस और आत्मविश्वास जैसे भावना का निर्माण होता है।

रिसर्च स्किल

कुछ व्यक्तियों की प्रवृति चीजों को ढूंढ कर तथा उसमे छुपे रहस्यों को जानकर संतुष्टि मिलती है। यही परिस्थिति उसे जब अपनी किसी समस्या का समाधान करने के लिए बोला जाए तो रिसर्च जैसी विधि को अपनाएगा और ऐसे तथ्य को सामने लाने की कोशिश करेगा जो सही हो।

एनालिसिस स्किल

कई बार समस्या को देखने मात्र से ही उसका हल नहीं निकाला जा सकता, समस्या इतनी गहरी होती है कि हमें उसमे छुपे राज को ढूंढना और समाधान निकालना शामिल होता है। इसमें एनालिसिस स्किल काम आती है।

टीमवर्क स्किल

प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल में टीमवर्क को शामिल किया गया है कभी कभी कुछ ऐसी प्रॉब्लम होती है जिन्हे अकेले सुलझा पाना मुश्किल होता है या इसमें ज्यादा समय निकल जाता है लेकिन ऐसे में अगर सब मिलकर उस प्रॉब्लम पर काम करें तो उसको जल्दी ठीक किया जा सकता है।

इनडिपेंडेंट थिंकिंग स्किल

यह स्किल सबसे बढ़िया मानी गयी है, कई बार परिस्थिति ऐसी आ जाती है जब हम उसे समय पर छोड़ देते है ताकि समय के साथ कुछ चीजें बदल जाए, तो समस्या का समाधान अपने आप निकल जाता है। उदाहरण के रूप में देखें तो फैक्ट्री के मजदूरों को कुछ समय के लिए अगर छोड़ दिया जाता, तो वो जॉब के खुद ही अरजेसमेंट करने में सक्षम हो जाते हैं।

क्या है जेनेटिक इंजीनियरिंग? इसके बाद कहां मिलेगी जॉब

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं, तो जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स और करियर के बारे में यहां जरूर पढ़ें-

मेडिकल साइंस एक जरूरी फील्ड है, जो टेक्नोलॉजी में काफी आगे है। जब रिसर्च ने बायोलॉजी को प्रोग्रेसिव टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा, तो इसने बायोटेक्नोलॉजी के व्यापक क्षेत्र को बनाया और मेडिकल साइंस में क्रांति ला दी। नए उभरते क्षेत्रों के साथ, बायोलॉजी कई ब्रांच में उभरा है। बायोलॉजी की ऐसी ही एक ब्रांच है, जेनेटिक इंजीनियरिंग है जो बायोटेक्नोलॉजी और जेनेटिक के साइंस को मिक्स करती है। यह किसी विशेष जीव के जीन के सीधे हेरफेर की सुविधा के लिए बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग करता है।

यदि आप इस बारे में उत्सुक है कि कैसे जेनेटिक और टेक्नोलॉजी ने हमारे मेडिकल साइंस को देखने के तरीके में क्रांति ला सकती है, तो आप दुनिया भर में ऑफर किए जाने वाले कई जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स में से चुन सकते हैं।

योग्यता

जेनेटिक इंजीनियरिंग में प्रोफेशनल डिग्री हासिल करने के इच्छुक व्यक्ति फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ्स व बायोलॉजी के साथ अपने 10 + 2 साइंस के बाद बीटेक कोर्स कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग में बीटेक में एडमिशन विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा इन-हाउस आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से या देश भर में आईआईटी / एनआईटी और सीएफटीआई के लिए जेईई जैसी राष्ट्रीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के अंकों के माध्यम से किया जाता है।

कोर्स की फीस

यूजी, पीजी और डॉक्टरेट स्तर के लिए न्यूनतम और अधिकतम फीस
यूजी - 6 लाख से 10 लाख रुपए
पीजी - 99 हजार-75 लाख रुपए
डॉक्टरेट - 36 लाख-504 लाख रुपए

स्किल्स

- साइंटिफिक मैथर्ड और नियमों की मजबूत समझ
- पर्ल, पायथन
- कंप्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी) का उपयोग करने की क्षमता
- प्रॉब्लम सॉल्विंग और क्रिटिकल थिंकिंग
- ग्राफिक्स या फोटो इमेजिंग
- वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर प्रोग्राम
- एक्सीलेंट मैथेमेटिकल, डिडक्टिव और इंडक्टिव तर्क, पढ़ना, लिखना और ओरल कंप्रिहेंसिव स्किल
- लेजर स्पेक्ट्रोमीटर, प्रकाश प्रकीर्णन उपकरण, बायनाकुलर्स लाइट कंपाउंड माइक्रोस्कोप आदि का उपयोग करने की क्षमता।

जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स का सिलेबस

बायोकेमेस्ट्री

बायोकेमेस्ट्री को बायोलॉजी की ब्रांच के रूप में रिफर्ड किया जा सकता है जो किसी भी बायोलॉजिकल प्रोसेस के केमिकल एसपेक्टस से संबंधित है। ऑर्गेनिक मटेरियल के बजाय सिंथेटिक के आ जाने के कारण कंटेम्परेरी रिसर्च में बायोकेमेस्ट्री साइंस की एक जरूरी ब्रांच है। इस बदलाव ने हेल्थ सेक्टर के साथ-साथ माइक्रोबायोलॉजी सेक्टर को भी प्रभावित किया है और बायोकेमेस्ट्री के क्षेत्र में महत्व लाया है।

इम्यूनोलॉजी

इम्यूनोलॉजी एक जीव की प्रतिरक्षा प्रणाली का अध्ययन है और यह कैसे परजीवियों और अन्य रोग पैदा करने वाले जीवों से अपनी रक्षा करता है। इम्यूनोलॉजी माइक्रोबायोलॉजी का एक अनिवार्य हिस्सा है, क्योंकि कुछ घातक बीमारियां जिससे मानव शरीर ग्रस्त है, बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीवों के कारण होती हैं। इम्यूनोलॉजी इन जीवों से होने वाले नुकसान का पता करने में मदद करती है और इन बीमारियों का इलाज विकसित करने और भविष्य में उन्हें रोकने पर काम करती है।

बायोइनफॉरमैटिक्स

यह एक अंत :विषय सब्जेक्ट है जो जैविक डेटा को समझने के लिए जीव विज्ञान, कंप्यूटर एप्लीकेशन और मैथ्स को जोड़ता है। इस क्षेत्र का उपयोग मुख्य रूप से जैविक डेटा का आकलन करने और रिसर्च करने के लिए वैध और आवश्यक एलिमेंट्स की पहचान करने के लिए किया जाता है।

नैनोटेक्नोलॉजी

नैनोटेक्नोलॉजी एक अन्य अंत :विषय फील्ड है जो जेनेटिक इंजीनियरिंग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और आणविक या परमाणु पैमाने पर पदार्थ के हेरफेर से संबंधित है। हेल्थ केयर में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं को देखने के लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग में इस क्षेत्र का उपयोग किया जाता है। नैनो टेक्नोलॉजी और जेनेटिक इंजीनियरिंग दो प्रमुख क्षेत्र हैं जिन्होंने हेल्थ सेक्टर में सुधार के लिए गहन रूप से काम किया है।

भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज

- एसआरएम विश्वविद्यालय चेन्नई, तमिलनाडु
- भारत विश्वविद्यालय चेन्नई, तमिलनाडु
- आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, बिहार
- जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बैंगलोर, कर्नाटक
- महात्मा ज्योति राव फूल विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
- भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
- भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, कर्नाटक
- कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक
- मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
- इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी स्कूल (सेट), शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा

देना चाहते हैं जीमैट तो जानें एग्जाम पैटर्न और योग्यता

अगर आप आने वाले दिनों में जीमैट एग्जाम देने वाले हैं, तो एग्जाम पैटर्न से लेकर योग्यता तक पूरी डीटेल जान लें

विदेश की यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करना हर छात्र का सपना होता है। इसके लिए एग्जाम दुनियाभर में आयोजित की जाती है, जिनमें अच्छा स्कोर लाने वाले छात्र विदेश के कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, इन्हीं में से एक है जीमैट एग्जाम। अगर आप अपनी हायर स्टडीज के लिए जीमैट देना चाहते हैं तो आपको इससे जुड़ी सभी जानकारियां यहां दे रहे हैं।

जीमैट क्या है?

जीमैट एक ऑनलाइन एग्जाम है, जिसको पास करने के बाद आप दुनियाभर के टॉप बिजनेस और मैनेजमेंट स्कूल्स में एडमिशन ले सकते हैं। इस परीक्षा को आप तभी दे सकते हैं जब आप ग्रेजुएशन के बाद बिजनेस या मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करना चाहते हो। जीमैट को 110 देशों की यूनिवर्सिटी द्वारा मान्य किया गया है।

जीमैट की योग्यता

जीमैट की परीक्षा देने के लिए किसी खास योग्यता की मांग नहीं की जाती, कोई भी व्यक्ति इस परीक्षा को दे सकता है, लेकिन एग्जाम हो जाने के बाद जिस यूनिवर्सिटी में आपको एडमिशन लेना है उसके बारे में आपको जरूर जानना होगा। आप सबसे पहले ये तय करें की आप किस यूनिवर्सिटी में जाना चाहते हैं, उस यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए कितना जीमैट स्कोर चाहिए होता है और उसकी योग्यता क्या होती है। जीमैट के लिए कैसे अप्लाई करें जीमैट के लिए आप ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं, इसके लिए सालभर रजिस्ट्रेशन होते रहते हैं। सबसे पहले ये तय करें की आपको ग्रेजुएशन के बाद कौन सा कोर्स करना है, वो भी किसी विदेशी यूनिवर्सिटी से, तभी इस एग्जाम को दें। यूनिवर्सिटी की क्या योग्यता है, कितनी फीस है ये सारी डीटेल्स चेक करें। एग्जाम देने के लिए आपकी उम्र भी 18 साल या उससे ज्यादा होनी चाहिए, अगर आपकी उम्र 13 से 17 साल के बीच में है तो आपके पेरेंट्स के हाथों लिखा हुआ लेटर आपको देना पड़ता है।

जीमैट एग्जाम फॉर्मेट

- जीमैट एक ऑनलाइन एग्जाम है जो साढ़े तीन घंटे का होता है इसमें एक सेक्शन खत्म होने पर आपको कुछ मिनट का ब्रेक भी मिलता है। इसमें कुल 4 सेक्शन होते हैं।
- पहला सेक्शन विश्लेषणात्मक लेखन मूल्यांकन का होता है जो 30 मिनट का होता है, इसमें सिर्फ 1 ही प्रश्न होता है।
- दूसरा सेक्शन इंटरग्रेटेड रीजनिंग का होता है जो 30 मिनट का होता है, इसमें कुल 12 प्रश्न पूछे जाते हैं
- तीसरा सेक्शन मात्रात्मक तर्क का होता है जो 62 मिनट का होता है, इसमें कुल 31 प्रश्न पूछे जाते हैं।
- चौथा सेक्शन वरवल रीजनिंग का होता है, ये 65 मिनट का होता है और इसमें 36 प्रश्न पूछे जाते हैं।

कैसे करें तैयारी

- आप सबसे पहले जीमैट एग्जाम फॉर्मेट को समझें, जीमैट आपसे किस तरह के प्रश्न पूछ रहा है ये जानना जरूरी है।
- ये जानने के लिए जब आप रजिस्ट्रेशन करते हैं तो आपको उनकी वेबसाइट पर फ्री स्टडी मटेरियल मिलता है, आप उसे स्टडी करें और पता करें कि किस तरीके से प्रश्न पूछे गए हैं। और फिर उसी तरीके से एग्जाम की तैयारी करें।
- एग्जाम पैटर्न चेक करने के बाद ये देखें कि उस एग्जाम के हिसाब से आप कहाँ पर हैं, मतलब आपकी पढ़ाई में स्थिति कैसी है, फिर उस हिसाब से अपने सिलेबस को कवर करने की कोशिश करें।
- इस एग्जाम के लिए आप सेल्फ स्टडी करें तो ज्यादा अच्छा है लेकिन यदि आपको पढ़ने में ज्यादा दिक्कत हो रही है तो आप कोचिंग भी ले सकते हैं।
- जीमैट की तैयारी के लिए 3 से 6 महीने का समय पर्याप्त माना गया है, अगर आपको इससे ज्यादा समय लग रहा है तो आप कॉलेज के दिनों में ही इसकी तैयारी चालू कर दें।

नीट के बाद सिर्फ डॉक्टर ही नहीं, इन क्षेत्रों में भी बना सकते हैं करियर

हर मां-बाप का सपना होता है, कि उसका बेटा-बेटी बड़े होकर डॉक्टर-इंजीनियर बनें। बचपन में अपने बच्चों को डॉक्टर-डॉक्टर गेम खेलता देख सोचते हैं कि शायद उनका बच्चा डॉक्टर ही बनें। कुछ बच्चे इस सपने को हकीकत में भी बदल देते हैं। मेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए नीट अहम पड़ाव है। इस परीक्षा को पास करने के बाद जहां कई स्टूडेंट्स मेडिकल क्षेत्र में ही काम करना पसंद करते हैं तो वहीं कई ऐसे भी हैं जो एमबीबीएस के बाद ऑल्टरनेट करियर ऑप्शन भी चुनते हैं। कहा जाता है कि एमबीबीएस के बाद छात्रों के पास लिमिटेड ऑप्शन होते हैं, लेकिन आज हम आपको बताएंगे कि इस क्षेत्र में आप सिर्फ डॉक्टर ही नहीं बन सकते, बल्कि कई अन्य तरह से भी अपना करियर बना सकते हैं।

बीडीएस में करियर

नीट के बाद आप सिर्फ एमबीबीएस में ही करियर नहीं बना सकते, बल्कि बीडीएस कोर्स की डिग्री भी हासिल कर डेंटिस्ट बना जा सकता है। इस फील्ड में भी विकल्प पब्लिक क्लिनिक तक ही सीमित नहीं है, कई डेंटिस्ट अपने खुद के क्लीनिक शुरू कर अच्छा करियर बना सकते हैं।

एमडी, एमएस व डिप्लोमा

नीट के बाद यह एमबीबीएस के बाद सबसे ज्यादा चुने जाने वाले ऑप्शन्स में से एक है, जो छात्र अपने मेडिकल करियर को जारी रखना चाहते हैं, वे एमडी या एमएस या डिप्लोमा डॉक्टरों को पोस्टग्रेजुएट कोर्स करते हैं, यह कोर्स छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन हासिल करने की फ्रीडम भी देता है।

एमबीए का कोर्स

आज के समय में लोग डॉक्टर की डिग्री लेने के साथ मैनेजमेंट में भी डिग्री लेना चाहते है, ऐसे लोगों के लिए एमबीए बेहतर विकल्प है। कुछ लोग इसे एंटरप्रेन्योरल स्किल डेवलप करने और हेल्थकेयर प्रतिष्ठानों के मैनेजमेंट में करियर के अवसरों का पता लगाने के लिए लेते हैं। इसके लिए एमबीए इन हेल्थकेयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट, एमबीए इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, एमबीए इन जनरल मैनेजमेंट, एमबीए इन हॉस्पिटल एंड हेल्थ मैनेजमेंट जैसे कोर्स मौजूद हैं।

एमएससी का कोर्स

एमबीबीएस के बाद छात्रों के पास एमएससी करना अच्छा विकल्प है, एमबीबीएस ग्रेजुएट्स इनमें से किसी भी क्षेत्र में मास्टर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं, एयरोस्पेस मेडिसिन, एनाटॉमी, एनेस्थीसिया, बायोकैमिस्ट्री, डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोसी, फॉरेंसिक मेडिसिन, जेरियाट्रिक, ईएनटी के अलावा कई अन्य क्षेत्र हैं।

संयुक्त चिकित्सा सेवा क्षेत्र

यूपीएससी रेलवे, नगर निगम जैसे सरकारी संस्थानों में चिकित्सा अधिकारियों के रूप में भर्ती के लिए हर साल जुलाई- अगस्त के महीने में संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा आयोजित करता है। उम्मीदवार एमबीबीएस की डिग्री के अंतिम वर्ष में उत्तीर्ण होने के बाद परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। यूपीएससी-सीएमएस से जुड़ी प्रतिष्ठा, गौरव और शक्ति भारतीय समाज में कहीं अधिक है। कुछ के लिए यूपीएससी के माध्यम से भर्ती प्राप्त करना लक्ष्य होता है। यह एक अच्छा विकल्प है, यदि आप सरकार के साथ एक स्थायी नौकरी चाहते हैं और यदि आप अस्पताल के प्रशासनिक कार्यबल का हिस्सा बनना पसंद करते हैं।

डीएनबी कोर्स करना

एमबीबीएस के अलावा दूसरा विकल्प डीएनबी कोर्स करना है। डीएनबी कोर्स एक स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम है जो नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा दिया जाता है, यह एमसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त है।

क्लीनिकल रिसर्च

जब रिसर्च के क्षेत्र की बात आती है, तो भारत अभी भी ग्रो कर रहा है और डेवलप हो रहा है। इसके लिए क्लिनिकल रिसर्चर्स की बहुत जरूरत होती है। विभिन्न संस्थान जो रिसर्च के अवसर प्रदान करते हैं वे हैं इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च, सीएसआईआर, सेंट जॉन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, डब्ल्यूएचओ। इसके अलावा एम्स, पीजीआई, निम्हंस, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च जैसे कई संस्थान पीएचडी डिग्री प्रदान करते हैं।

डालर के मुकाबले रुपया 29 पैसे बढ़कर 73 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई, विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ने और घरेलू शेयर बाजार में मजबूती के रुख के चलते रुपये में लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी रही। अंतर बैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 29 पैसे उछलकर 73 (अस्थायी) रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में कारोबार की शुरुआत में रुपया 73.26 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 72.99 से 73.29 रुपये प्रति डालर के दायरे में घूमने के बाद अंत में पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव की तुलना में 29 पैसे ऊंचा रहकर 73 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में रुपये में तेजी कायम रही। पिछले चार कारोबारी सत्र के दौरान रुपया 124 पैसे चढ़ चुका है। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 92.54 रह गया। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''भारतीय रुपये में सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में मजबूती कायम रही जो एशियाई मुद्राओं में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली मुद्रा रही। इसका कारण विदेशी निधियों के भारी निवेश के साथ आर्थिक गतिविधियों में तेजी का लौटना है।'' बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 662.63 अंक की तेजी के साथ 57,552.39 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। वैश्विक मानक ब्रेंट कच्चा तेल का वायदा भाव 0.83 प्रतिशत घटकर 72.80 डॉलर प्रति बैरल रह गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे और उन्होंने सोमवार को 1,202.81 करोड़ रुपये के शेयरों की लिवाली की।

हीरो इलेक्ट्रिक का ग्राहकों के लिये आसान वित्त पोषण सुविधा के वास्ते व्हील्स ईएमआई के साथ गठजोड़

मुंबई, हीरो इलेक्ट्रिक ने अपने ग्राहकों को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने के मद्देनजर आसान वित्त पोषण मुहैया कराने के लिए व्हील्स ईएमआई के साथ गठजोड़ किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वाहन वित्त पोषण के अलावा इस साझेदारी के तहत हीरो इलेक्ट्रिक ग्राहकों को आकर्षक ब्याज दर, लचीले कार्यकाल के विकल्प और कम ईएमआई जैसे लाभ भी मुहैया करा रही है। हीरो इलेक्ट्रिक ने कहा कि इस पहल के जरिए ग्राहकों को न्यूनतम दस्तावेज के साथ तेजी से ऋण मिल सकेगा। व्हील्स ईएमआई की 13 राज्यों के 100 से अधिक शहरों में उपस्थिति है। हीरो इलेक्ट्रिक के सीईओ सोहिंदर गिल ने कहा, ''पिछले कुछ हफ्तों में इलेक्ट्रिक दोपहिया के लिए जागरूकता और मांग बढ़ी है। अधिक से अधिक ग्राहक आज पूछताछ कर रहे हैं और अपने अगले वाहन के रूप में इलेक्ट्रिक दोपहिया को अपनाना चाह रहे हैं। विशेष रूप से ग्रामीण भारत से आसान वित्त पोषण की मांग आ रही है।''

एसईजेड की वजह से ड्रग और फार्मा क्षेत्र ने विकास में बढ़त बनाई

नई दिल्ली। दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स के नेतृत्व में, विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) से भारत का निर्यात साल-दर-साल (वाईओवाई) आधार पर 41.5 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 22 की पहली तिमाही में 2.15 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान कोविड व्यवधानों और लॉकडाउन के कारण इन क्षेत्रों से निर्यात प्रभावित हुआ था। अप्रैल-जून तिमाही में एसईजेड से निर्यात में वृद्धि का मुख्य कारण दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्रों द्वारा दिखाया गया अच्छा प्रदर्शन रहा है, जो महामारी के बीच दवाओं की वैश्विक जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, हालांकि इंजीनियरिंग सामान और रत्न एवं आभूषण क्षेत्रों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। वित्तीय वर्ष 21 में, एसईजेड से निर्यात कोविड - 19 के कारण वित्तीय वर्ष 20 में 7.97 लाख करोड़ रुपये से गिरकर 7.6 लाख करोड़ रुपये हो गया। 30 जून 2021 तक, सरकार द्वारा अनुमोदित कुल 427 एसईजेड में से 267 चालू हैं। इसके अलावा, इन एसईजेड में लगभग 6.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिसमें लगभग 25 लाख लोग कार्यरत हैं।

मोदी सरकार के लिए गुड न्यूज, पहली तिमाही में रिकॉर्ड 20.1 फीसदी जीडीपी ग्रोथ

(एजेंसी):

भारतीय अर्थव्यवस्था की गाड़ी फिर पटरी पर लौट आई है। वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में शानदार जीडीपी के आंकड़े सामने आए हैं। कोरोना संकट के बीच केंद्र सरकार के लिए पहली बार जीडीपी के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। दरअसल केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी नतीजे जारी कर दिए हैं। पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद **(GDP)** ग्रोथ रेट रिकॉर्ड 20.1 फीसदी रही है। जबकि पिछले साल पहली तिमाही में निगेटिव 23.9 फीसदी ग्रोथ रेट थी। **GDP** किसी भी देश की आर्थिक सेहत को मापने का सबसे सटीक पैमाना है। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने मंगलवार को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर को जारी करते हुए कहा कि यह अबतक की सबसे बेहतर तिमाही वृद्धि दर है।भारत की जीडीपी इससे पूर्व की तिमाही (**QyFY**21) में 1.6 प्रतिशत बढ़ी थी। एक साल पहले समान तिमाही में कोरोनावायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए राष्ट्रीय लॉकडाउन की वजह से जीडीपी में 24.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। सांख्यिकी एवं योजना क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक स्थिर (2011-12) मूल्य पर वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में जीडीपी का आकार 32.38 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया गया है। वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में जीडीपी का आकार 26.95 लाख करोड़ रुपये था। इस प्रकार जीडीपी में 20.1 प्रतिशत की वृद्धि झलकती है। 2020-21 की पहली तिमाही में जीडीपी में 24.4 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

बुनियादी उद्योगों का उत्पादन जुलाई में 9.4 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली (एजेंसी).

बुनियादी क्षेत्र के आठ उद्योगों का उत्पादन जुलाई में 9.4 प्रतिशत बढ़ा है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। एक साल पहले इसी महीने में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 7.6 प्रतिशत घटा था। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार जुलाई में कोयला, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली क्षेत्र का उत्पादन एक साल पहले के इसी महीने की तुलना में बढ़ा है। हालांकि, इस दौरान कच्चे तेल के उत्पादन में 3.2 प्रतिशत की गिरावट आई। जुलाई, 2020 में कोविड-19 की वजह से लागू अंकुशों के चलते बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में 7.6 प्रतिशत की गिरावट आई थी। जून, 2021 में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 9.3 प्रतिशत बढ़ा था। चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह अप्रैल-जुलाई में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 21.2 प्रतिशत बढ़ा है।

जियो ने डिजनीप्लस हॉटस्टार की सदस्यता वाले नये प्रीपेड प्लान पेश किए

नयी दिल्ली (एजेंसी).

रिलायंस जियो कई नये प्रीपेड प्लान पेश कर रही है, जिसके साथ प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार की सभी सामग्री तक पहुंच की सुविधा होगी। ये प्लान 499 रुपये से शुरू होंगे। कंपनी सूत्रों ने यह जानकारी दी है। जियो इससे पहले 401 रुपये से शुरू होने वाले अपने प्लान में डिजनीप्लस हॉटस्टार वीआईपी की सदस्यता (लाइव खेल, हॉटस्टार स्पेशल, फिल्में और टीवी कार्यक्रम तथा तीन भारतीय भाषाओं में डब की गई सामग्री तक पहुंच) दे रहा था। कंपनी सूत्रों ने कहा कि नये प्लान के साथ अब डिज्नीप्लस हॉटस्टार पर 499 रुपये की शुरुआती कीमत से पूरी सामग्री तक पहुंच की सुविधा प्रदान की जाएगी। नया प्लान एक सितंबर, 2021 से रिचार्ज के लिए उपलब्ध होगा। डिजनीप्लस हॉटस्टार की एक साल की सदस्यता के अलावा नये प्लान में असीमित वॉयस, डेटा, एसएमएस, जियो ऐप और दूसरे लाभ मिलेंगे। हालांकि, नए प्लान को लेकर रिलायंस जियो के पास भेजे गए मेल का कोई जवाब नहीं मिला है।

स्नीकर्स: अपने ब्रांड को मजबूत करने के लिए ट्विस्ट प्लॉट के साथ नया अभियान शुरू किया परिचय

मार्स व्रिगले एक नई फिल्म के लिए पोर्टफोलियो स्नीकर्स में शामिल हो रहे हैं, जिसमें विनय पाठक के साथ अभिनेत्री वेदिका नवानी हैं। "व्हेन यू आर हंग्री, यू डोंट लिव" के ब्रांड आदर्श वाक्य को जीवंत करने के लिए डिज़ाइन किया गया, यह फिल्म "भूख की पीड़ा" को इस तरह से चित्रित करती है कि उपभोक्ता अपने पसंदीदा स्नीकर्स विज्ञापन फिल्में देखना पसंद करेंगे।

इस नए टीवीसी में, नायक के व्यक्तित्व में एक असामान्य परिवर्तन होता है, जो उसे अलग व्यवहार करने और अजीब निर्णय लेने के लिए प्रेरित करता है। इस फिल्म में जहां विनय पाठक एक पिता की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं वह अपनी भूख के दौरान एक 'राक्षस' ट्रक खरीदते नजर आ रहे हैं ताकि वह 'जीवन की दौड़' जीत सकें। लेकिन जब वह अपनी बेटी के आग्रह पर स्नीकर्स खाता है-नौगेट, कारमेल और नट्स से भरा चॉकलेट बार, तो उसे धीरे-धीरे इसे खरीदने की मूर्खता का एहसास होता है।

नई स्नीकर्स फिल्म के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, कल्पेश आर परमार, कंट्री जनरल मैनेजर, मार्स व्रिगले, इंडिया, कहते हैं, "जब आप भूखे होते हैं तो आप आप नहीं रहते।" नए विज्ञापन में हम अभिनेता विनय पाठक और वेदिका नवानी के साथ भूखमरी से पैदा होने वाली एक हास्यास्पद स्थिति को बेहद जोर-शोर से लेकर आए हैं। मार्स व्रिगले इंडिया में, हम ग्राहकों, उपभोक्ताओं और समुदाय के लिए अरबों बेहतर पल बनाने के अपने लक्ष्य का पीछा करते हैं, और हमें विश्वास है कि दर्शकों को यह नया टीवीसी पसंद आएगा, क्योंकि हम इस खुशी को स्नीकर्स के साथ जोड़ते हैं।"

इस संबंध के साथ अपने अनुभव के बारे में बताते हुए, बॉलीवुड के एक प्रसिद्ध कलाकार, विनय पाठक कहते हैं, "स्नीकर्स हमेशा से मेरी पसंदीदा चॉकलेट रहे हैं और मैं इस तरह के शानदार ब्रांडों के साथ जुड़कर बहुत खुश हूं। मेरे लिए, जब मैं तनाव और गुस्से में काम करता हूं, तो भूख के दर्द के साथ काम करते हुए इसे खाना सबसे अच्छा है। स्नीकर्स: यह मेरा पसंदीदा ब्रांड है और इसलिए मैं अंदर के हास्य से गहराई से जुड़ा हूं। इस नई मजेदार फिल्म का हिस्सा बनने का अनुभव बहुत मजेदार है और मैं इस विज्ञापन पर दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए उत्साहित हूं। उन्हें इस विज्ञापन को देखने में उतना ही मजा आएगा, जितना मैंने शूटिंग के दौरान किया था।"

14 लाख करोड़ के पार निकला टीसीएस का मार्केट कैप, खतरे में पड़ी रिलायंस की पोजीशन

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज (टीसीएस) का शेयर बीएसई पर कारोबार के दौरान 2।66 फीसदी की तेजी के साथ 3800 रुपए के नए रेकॉर्ड पर पहुंच गया। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप भी 14 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया। टीसीएस यह मुकाम हासिल करने वाली देश की दूसरी लिस्टेड कंपनी है। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले ही यह उपलब्धि हासिल कर चुकी है। टीसीएस का शेयर सोमवार को 2।3 फीसदी की तेजी के साथ 3,786।55 रुपए पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में करीब 20 फीसदी तेजी आई है। शेयरों में तेजी से टीसीएस का मार्केट कैप 14,00,664।30 करोड़ रुपए पहुंच चुका है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक मार्केट कैप के लिहाज से टीसीएस अभी दूसरे स्थान पर है जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले नंबर पर है। रिलांयस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप अभी 14,32,270।38 करोड़ रुपए है। रिलायंस के शेयरों में मंगलवार को 0।47 फीसदी गिरावट आई। टीसीएस देश की अग्रणी आईटी सर्विस प्रोवाइडर कंपनी है जिसका कारोबार बीएफएसआई, कम्युनिकेशन, मैन्युफैक्चरिंग, रीटेल और हाई-टेक वर्टिकल्स में फैला है। कंपनी ने 31 मार्च, 2021 को खत्म वित्त वर्ष में 22।2 अरब डॉलर का रेवेन्यू जेनरेट किया। एनालिस्ट्स का कहना है कि बढ़ती डिमांड, क्लाउड एडॉप्शन में तेजी और डिजिटल बदलाव की संभावनाओं से कंपनी को काफी फायदा होने की उम्मीद है।

शिकायत के आधार पर गूगल ने जुलाई में 95,680 सामग्रियों को हटाया- पारदर्शिता रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

सूचना तकनीकी क्षेत्र की मशहूर कंपनी गूगल ने मंगलवार को कहा कि जुलाई में उपयोगकर्ताओं से 36,934 शिकायतें मिलीं और इन शिकायतों के आधार पर 95,680 सामग्रियों (कॉन्टेंट) को हटा दिया गया। यह जानकारी गूगल ने अपनी मासिक पारदर्शिता रिपोर्ट मे दी है। गूगल ने उपयोगकर्ताओं की शिकायत के अलावा स्वचालित पहचान के आधार पर जुलाई में 5,76,892 सामग्रियों को हटाया। अमेरिकी कंपनी ने ये जानकारी भारत के आईटी नियमों के अनुपालन के तहत दी, जो 26 मई को लागू हुए थे। प्रौद्योगिकी कंपनी ने कहा कि उसे जुलाई में भारत में स्थित व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं से 36,934 शिकायतें मिलीं, और इन शिकायतों के आधार पर सामग्रियों को हटाने की कार्रवाई की संख्या 95,680 थी, जो अब तक सबसे अधिक है। गूगल को इससे पहले जून में 36,265 शिकायतें मिली थीं और इनके आधार पर 83,613 सामग्रियों को हटाया गया। अप्रैल में 59,350 सामग्रियों और मई में 71,132 सामग्रियों को हटाया गया था। कंपनी ने कहा कि इनमें से कुछ शिकायतें बौद्धिक संपदा अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित थीं, जबकि दूसरी शिकायतों में मानहानि जैसे आधार पर सामग्रियों को हटाने के लिए कहा गया था।

वित्त मंत्रालय ने 25 राज्यों को अनुदान के रूप में जारी किए 13,386 करोड़ रुपए

(एजेंसी) :

वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) को अनुदान देने के लिए 25 राज्यों को लगभग 13,386 करोड़ रुपये जारी किए हैं। ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) को दो सेवाओं में सुधार के लिए अनुदान जारी किए गए हैं - 1) स्वच्छता एवं खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति, तथा 2) पेयजल की आपूर्ति, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने सोमवार को ग्रामीण स्थानीय निकायों को अनुदान देने के लिए 25 राज्यों को 13,385.70 करोड़ रुपये जारी किए हैं।'' यह सहायता अनुदान वर्ष 2021-22 के बंधित अनुदान की पहली किस्त है तथा इसे 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार जारी किया गया है। बंधित अनुदान केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत स्वच्छता और पेयजल के लिए केंद्र और राज्यों द्वारा आवंटित धन के अलावा ग्रामीण स्थानीय निकायों को अतिरिक्त धन उपलब्ध कराने के लिए है। यह धनराशि केंद्र सरकार से राज्यों को प्राप्त होने के 10 कार्य दिवसों के भीतर ग्रामीण स्थानीय निकायों को हस्तांतरित करनी जरूरी है। इसमें देरी होने की स्थिति में राज्य सरकारों को ब्याज सहित अनुदान जारी करना होगा।

एयरटेल पेमेंट बैंक के 20 करोड़ शेयर भारती एंटरप्राइजेज को बेचेगा कोटक महिंद्रा बैंक

मुंबई (एजेंसी)।

कोटक महिंद्रा बैंक एयरटेल पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (एपीबीएल) के 20 करोड़ शेयर भारती एंटरप्राइजेज को लगभग 294 करोड़ रुपये में बेचेगा।

एपीबीएल में कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड द्वारा रखे गए 20 करोड़ इक्विटी शेयरों (8.57 प्रतिशत हिस्सेदारी) के विनिवेश के लिए बैंक द्वारा एक शेयर खरीद समझौता किया गया है। बैंक ने एक नियामक फाइलिंग में कहा है कि कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड ने बिक्री के लिए एक शेयर खरीद समझौते को अंजाम दिया है। कोटक बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि इन शेयरों को वर्ष 2016 और 2017 के दौरान किश्तों में 200 करोड़ रुपये के निवेश के जरिए हासिल किया गया था। शेयर बिक्री के लिए नकद प्रतिफल (कैश कंसिडिरेशन) 14.74 रुपये प्रति शेयर पर 294.8 करोड़ रुपये के बराबर या उससे अधिक होगा। कंसिडिरेशन शेयर खरीद समझौते की शर्तों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। कोटक महिंद्रा बैंक को प्रस्तावित लेनदेन के लिए किसी सरकारी या नियामक अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है। फाइलिंग में कहा गया है कि भारती एंटरप्राइजेज लिमिटेड को प्रस्तावित लेनदेन के निष्पादन को सक्षम करने के लिए आरबीआई से कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है, जिसके 15 सितंबर, 2021 तक पूरा होने की उम्मीद है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक एक भुगतान या पैमेंट्स बैंक है, जो भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से केंद्र द्वारा जारी लाइसेंस के तहत अनुमत गतिविधियों को करने के लिए विधिवत लाइसेंस प्राप्त है। इसने 23 नवंबर, 2016 से भुगतान बैंक के रूप में अपना परिचालन शुरू किया था।

वीवो दूसरी तिमाही में एशिया पैसिफिक 5 जी शिपमेंट में सबसे ऊपर : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वैश्विक स्मार्टफोन ब्रांड वीवो ने 2021 की दूसरी तिमाही में एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए 5जी स्मार्टफोन शिपमेंट में शीर्ष स्थान हासिल किया है। मंगलवार को एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मार्केट रिसर्चर स्ट्रैटेजी एनालिटिक्स के अनुसार, ब्रांड ने एशिया प्रशांत क्षेत्र में 5जी शिपमेंट में से एक पर कब्जा कर लिया, जिसमें वार्षिक शिपमेंट में 215 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की अग्रणी प्रौद्योगिकी और उच्च गुणवत्ता वाले नवाचारों के संयोजन ने उसके स्मार्टफोन को इस क्षेत्र में सबसे लोकप्रिय 5जी डिवाइस बना दिया है। इस साल की शुरुआत में, स्ट्रैटेजी एनालिटिक्स ने उल्लेख किया कि वीवो दुनिया की दूसरी सबसे तेजी से बढ़ती 5जी स्मार्टफोन कंपनी बन गई है और 2021 की पहली तिमाही तक अपनी मजबूत गति बनाए रखी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 5जी मानकों और प्रमुख प्रौद्योगिकियों में उल्लेखनीय प्रगति करके, वीवो उपभोक्ताओं को 5जी मोबाइल फोन की बढ़ती विविधता और बेहतर 5जी अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल ही में, मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में विवो के कार्यकारी उपाध्यक्ष हू बैशन ने पुष्टि की कि कंपनी 2022 की पहली छमाही में अपना पहला टैबलेट लॉन्च कर सकती है। कार्यकारी ने यह भी कहा कि कंपनी सितंबर में अपनी पहली स्व-विकसित आईएसपी चिप की शुरुआत करेगी। वीवो वी1 के रूप में डब किया गया यह सिलिकॉन आने वाले वीवो एक्स70 सीरीज के अंदर मौजूद होगा।

बैंक ऑफ इंडिया ने पात्र संस्थागत खरीदारों को शेयर जारी कर 2,550 करोड़ रुपये जुटाये

नयी दिल्ली (एजेंसी).

बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने मंगलवार कहा कि उसने पात्र संस्थागत खरीदारों को 40.5 करोड़ से अधिक शेयर जारी करके 2,550 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बीओआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पूंजी निर्गम समिति ने 31 अगस्त, 2021 को हुई अपनी बैठक में पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) को 40,54,71,866 इक्विटी शेयर 62.89 रुपये प्रति शेयर मूल्य पर आवंटन को मंजूरी दी है। कुल मिलाकर इसका मूल्य 2,550.01 करोड़ रुपये है। यह निर्गम 25 अगस्त को खुला था और 30 अगस्त 2021 को बंद हुआ था। बैंक ने इस निर्गम के जरिए 3,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाने का लक्ष्य रखा था। एलआईसी, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी तीन ऐसे निवेशक हैं, जिन्होंने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के तहत पांच प्रतिशत से अधिक की खरीद की है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 15,90,07,791 शेयर (39.22 प्रतिशत) आवंटित किए गए हैं, जबकि आईसीआईसीआई प्रू लाइफ और बजाज आलियांज लाइफ दोनों ने क्यूआईपी पेशकश के तहत 3,18,01,558 - 3,18,01,558 शेयर (7.84 प्रतिशत) खरीदे हैं। इस क्यूआईपी के साथ, बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 90.34 प्रतिशत से घटकर 82.50 प्रतिशत रह गई है।

ब्रिटिश घुड़सवार ली पियर्सन ने 14वां पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो । ब्रिटिश घुड़सवार ली पियर्सन ने यहां सोमवार को टोक्यो पैरालंपिक में पैरा-ड्रेसेज व्यक्तिगत फ्रीस्टाइल टेस्ट ग्रेड दो स्पर्धा जीत कर अपना 14वां पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीता। 47 वर्षीय पियर्सन ने अपने घोड़े ब्रीजर के साथ 82.447 प्रतिशत अंक हासिल कर स्पर्धा जीत कर स्वर्ण हासिल किया। ऑस्ट्रिया के पेपो पुच ने रजत, जबकि ब्रिटेन के एक अन्य घुड़सवार जॉर्जिया विल्सन ने कांस्य पदक जीता। व्यक्तिगत ग्रेड दो टेस्ट और टीम स्पर्धा में जीत के बाद टोक्यो पैरालंपिक खेलों में पियर्सन का यह तीसरा स्वर्ण पदक है। 47 वर्षीय पियर्सन ने पदक जीतने के बाद कहा कि वह 14वां स्वर्ण पदक जीत कर बहुत खुश हैं। उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि घुड़सवारी पाक में स्पर्धा से उनका घोड़ा थोड़ा घबराया हुआ था और उन्होंने अपने घोड़े ब्रीजर को आश्वस्त करने की पूरी कोशिश की। उल्लेखनीय है कि पियर्सन ने इससे पहले सिडनी 2000, एथेंस 2004 और बीजिंग 2008 प्रत्येक पैरालंपिक खेलों में तीन स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने लंदन 2012 और रियो 2016 पैरालंपिक खेलों में टीम ड्रेसेज स्पर्धा में भी स्वर्ण जीता है।

भारतीय टीम को एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 39 पदक मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रीति दहिया और तीन अन्य युवा महिला मुक्केबाज 2021 एएसबीसी एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप के अंतिम दिन चैम्पियन बनकर उभरीं। इनकी स्वर्णिम सफलता की बदौलत भारत ने दुबई में आयोजित की गई इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में 14 स्वर्ण सहित कुल 39 पदक अपनी झोली में डाले। भारत इससे पहले खेले गए जूनियर इवेंट में आठ स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य पदक सहित कुल 19 पदक पहले ही जीत चुका था। युवा मुक्केबाजों ने प्रतिष्ठित कॉन्टिनेंटल इवेंट में भारत की तालिका में 20 और पदक (छह स्वर्ण, नौ रजत और पांच कांस्य) जोड़े। खास बात यह रही कि पहली बार इस इवेंट के माध्यम से जूनियर और युवा दोनों आयु वर्ग के मुकाबले साथ-साथ खेले गए। बिश्वमित्र चोंगथम (51 किग्रा) ने एशियाई चैंपियनशिप में युवा पुरुष वर्ग में पिछले सात वर्षों में भारत का पहला स्वर्ण जीता और विशाल (80 किग्रा) ने पदक तालिका में एक और सोने का तमगा जोड़ा। इसी तरह नेहा (54 किग्रा) ने युवा महिला वर्ग में देश को स्वर्ण पदक दिलाया। उनका मुकाबला सोमवार की देर रात खेला गया।

वह 3-2 से विभाजित निर्णय से कजाकिस्तान की ऐशागुल येलुबायेवा के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रही। बाद में, प्रीति दहिया ने 2021 युवा विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता कजाकिस्तान की जुल्दिज शायाखमेतोवा के खिलाफ 60 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में इसी तरह की जीत के साथ एक और स्वर्ण पदक भारत की झोली में डाला। इसके बाद स्नेहा कुमारी (66 किग्रा) और खुशी (75 किग्रा) ने भी अपने-अपने फाइनल में जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक जीता। स्नेहा ने रेफरी स्टॉपिंग द कॉन्टेस्ट (आरएससी) के माध्यम से स्थानीय दावेदार रहमा अलमुर्शिदी पर जीत दर्ज की जबकि खुशी ने कजाकिस्तान की डाना दीडे को हराया। इस बीच अंतिम दिन अन्य युवा मुक्केबाज विश्वनाथ सुरेश (48 किग्रा), निवेदिता कार्की (48 किग्रा), तमन्ना (50 किग्रा), सिमरन वर्मा (52 किग्रा), प्रीति (57 किग्रा), खुशी (63 किग्रा), वंशज (64 किग्रा), जयदीप रावत (71 किग्रा) और तनीशबीर कौर संधू (81 किग्रा) ने देश के लिए रजत पदक जीते। इससे पहले एक महिला सहित पांच मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में पहुंचकर युवा वर्ग में कांस्य पदक जीता था। पुरुषों में, दक्ष सिंह (67 किग्रा), दीपक (75 किग्रा), अभिमन्यु लौरा (92 किग्रा) और अमन सिंह बिष्ट (92+ किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किया, जबकि लशु यादव (70 किग्रा) ने महिला वर्ग में कांस्य पदक जीता। युवा वर्ग में 20 पदकों के साथ, भारत ने 2019 में मंगोलिया के उलानबटार में हासिल किए गए पांच स्वर्ण सहित 12 पदकों के अपने पिछले संस्करण के पदकों की संख्या को भी बेहतर बनाया।

पैरालंपिक (निशानेबाजी) : फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं रूबीना

टोक्यो (एजेंसी)।

भारत की पैरा निशानेबाज रुबीना फ्रांसिस यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक के पी2-महिला 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं और पदक हासिल करने से चूक गईं। रूबीना ने फाइनल में 128.5 का स्कोर किया और वह आठ निशानेबाजों के फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं। रूबीना ने पहली बार पैरालंपिक में हिस्सा लिया और फाइनल में पहुंचीं। हालांकि, वह अपने डेब्यू पैरालंपिक में पदक लाने से चूक गईं। इस इवेंट का स्वर्ण पदक ईरान की सारेह जवानमार्दी ने जीता, जिन्होंने 239.2 का स्कोर किया। तुर्की की आईसोगुल पेहलीवानलार 234.5 और हंगरी की क्रिस्टीना डेविड ने 210.5 के स्कोर के साथ क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किया। इससे पहले रूबीना मंगलवार को यहां क्वालीफाइंग दौर में सातवें स्थान पर रही थीं। रुबीना ने 10 शॉट्स के छह राउंड में 91, 96, 95, 92, 93, 93 का स्कोर किया और दक्षिण कोरिया की किम यून-मी 560 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहीं। लेकिन कोरियाई निशानेबाज ने बुल्सआई में 14 शॉट के साथ छठा स्थान हासिल किया जबकि रुबीना ने केवल 12 शॉट किए। मध्य प्रदेश के जबलपुर की 22 वर्षीय रुबीना ने जून में पेरू के लीमा में विश्व कप के फाइनल में विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

पैरालंपिक (ऊंची कूद) : थंगावेलु ने जीता रजत, शरद ने जीता कांस्य

पैरालंपिक (ऊंची कूद) (एजेंसी) :

टोक्यो। भारत के पैरा एथलीट मरियप्पन थंगावेलु और शरद कुमार ने यहां जारी टोक्यो पैरालंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष ऊंची कूद में क्रमशः टी42 और टी63 वर्ग में रजत और कांस्य पदक जीते। थंगावेलु और शरद के पदक जीतने के साथ ही भारत ने इस पैरालंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक अपने नाम कर लिए हैं। थंगावेलु ने सीजन का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 1.83 मीटर के जंप के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इस इवेंट का स्वर्ण पदक अमेरिका के सैम ग्रेवे ने जीता। उन्होंने 1.88 मीटर का जंप किया। थंगावेलु और शरद से पहले मंगलवार को निशानेबाज सिंघराज ने पुरुष 10 मीटर एयरपिस्टल एसएच1 इवेंट में कांस्य पदक जीता। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में अब तक दो स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य सहित कुल 10 पदक जीते हैं।

पैरालिंपिक राउंडअप : निशानेबाज अवनी के ऐतिहासिक स्वर्ण के साथ भारत को मिले 5 पदक

टोक्यो (एजेंसी)।

विश्व रिकॉर्ड के साथ दो स्वर्ण पदक, भारी-भरकम थ्रो के साथ दो रजत पदक और एक कांस्य पदक ने टोक्यो 2020 में एक दिन के उच्चतम स्तर पर भारत की जादुई दौड़ को पूरा किया, जिसने देश को अपना सर्वश्रेष्ठ पदक प्रदर्शन हासिल करते हुए देखा। यह पैरालंपिक खेलों में सनसनीखेज दिन रहा। भारत ने सोमवार को टोक्यो 2020 में अपने टैली को सात तक ले जाने के लिए पांच पदक जीते। दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक के साथ भारत तालिका में 26वें स्थान पर पहुंच गया। सोमवार को पांच पदकों ने पैरालंपिक खेलों में भारत के पदकों की कुल संख्या 19 तक पहुंचा दी। निशानेबाज अवनी लेखारा और भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने दो स्वर्ण पदक जीते। देवेंद्र झाझरिया और योगेश कथूरिया ने सोमवार को भारत के लिए जेवलिन एफ46 और चक्का फेंक एफ56 में रजत पदक जीता, जबकि सुदर सिंह गुर्जर ने पुरुषों की भाला फेंक एफ46 में कांस्य पदक हासिल किया। अवनी सोमवार को इतिहास रचते हुए दिन की शानदार शुरुआत करते हुए स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। जयपुर, राजस्थान की 19 वर्षीय युवती ने फाइनल में 249.6 के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ आर2 महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 में टोक्यो में भारत का पहला और पैरालंपिक इतिहास में कुल पांचवां स्वर्ण पदक जीता। 2012 में एक कार दुर्घटना में रीढ़ की हड्डी में चोट लगने के कारण 19 वर्षीय अवनी ने फाइनल के लिए सातवें स्थान पर क्वालीफाई किया, लेकिन फाइनल में ही पहली एलिमिनेशन सीरीज में सात निशानेबाजों को पीछे छोड़ने के लिए शानदार शूटिंग की और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। चीन की झांग क्यूपिंग ने 248.9 के स्कोर के साथ रियो 2016 में रजत पदक जीता, जबकि यूक्रेन की इरिना शेतनिक ने कांस्य के लिए कुल 227.5 अंक के साथ समाप्त किया। दूसरा स्वर्ण पदक और विश्व रिकॉर्ड सुमित अंतिल ने भाला फेंक एफ64 में हासिल किया। अंतिल ने भाला 68.55 मीटर तक फेंका, नवंबर 2019 में 62.88 सेट के अपने अंक में सुधार किया। सोनीपत के 23 वर्षीय अंतिल, जिन्होंने 2005 में एक मोटरबाइक दुर्घटना में शामिल होने के बाद घुटने के नीचे अपना बायां पैर खो दिया था। 2004 में एथेंस और 2016 में रियो में स्वर्ण पदक जीतने वाले पैरालिंपिक में दोहरा स्वर्ण पदक जीतने वाले देवेंद्र झाझरिया के लिए यह एक कड़वा-मीठा दिन था, जो तीसरे स्वर्ण पदक की दौड़ में था।

संक्षिप्त समाचार

पैरालंपिक (तीरंदाजी) : राकेश कुमार को क्वार्टर फाइनल में मिली हार

टोक्यो। राकेश कुमार को यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक के पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन तीरंदाजी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीन के जिनलियांग अल के हाथों 143-145 से हार का सामना करना पड़ा। राकेश ने प्री क्वार्टर फाइनल में स्लोवाकिया के मरियन मारेकाक को 140-137 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन क्वार्टर फाइनल में उन्हें हार का सामना का करना पड़ा। राकेश ने पहले राउंड में 29 का जबकि जिनलियांग ने 30 का स्कोर किया। दूसरे राउंड में राकेश ने 28 और चीनी तीरंदाज ने 29 का स्कोर कर 59-57 की बढ़त ली। इसके बाद तीसरे राउंड में राकेश ने 29 और जिनलियांग ने 28 का स्कोर किया। चौथे राउंड में राकेश ने जहां 28 का स्कोर किया तो वहीं जिनलियांग ने 29 अंक हासिल कर स्कोर 116-114 कर दिया। अंतिम राउंड में राकेश और जिनलियांग ने 29-29 का स्कोर किया लेकिन चीनी खिलाड़ी ने मुकाबला 145-143 के अंतर से जीत लिया। राकेश कंपाउंड वर्ग में भारत की आखिरी उम्मीद थे क्योंकि पुरुष व्यक्तिगत में श्याम सुंदर स्वामी और महिला व्यक्तिगत ओपन में ज्योति बलियान दोनों पहले नॉकआउट दौर में हार गए थे। राकेश और ज्योति बालियान मिक्स्ड टीम कंपाउंड ओपन वर्ग में क्वार्टर फाइनल में भी हार गए थे।

पैरालंपिक (टेटे) : भाविना और सोनल की जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में मिली हार

पैरालंपिक (टेटे) : भाविना और सोनल की जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में मिली हारटोक्यो, 31 अगस्त (आईएएनएस)। भाविना पटेल और सोनल पटेल की भारतीय जोड़ी को यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक के टेबल टेनिस महिला टीम क्लास 4-5 वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीन की यिंग झोउ और बिआन झांग की जोड़ी से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। यिंग और बिआन की जोड़ी ने भाविना और सोनल की जोड़ी को 13 मिनट तक चले मुकाबले में 11-2, 11-4, 11-2 से हराया। भारतीय जोड़ी इस मुकाबले के किसी भी गेम में चुनौती पेश नहीं कर सकी और उसे हार का सामना पड़ा। भाविना और सोनल की जोड़ी को चीनी जोड़ी के खिलाफ ओवरऑल 2-0 से हार मिली। भाविना ने इससे पहले महिला एकल क्लास 4 वर्ग के फाइनल में रजत पदक जीता था।

अगले साल से कई गुना ज्यादा होगी BCCI की कमाई, IPL में शामिल होंगी दो नई टीमें

(एजेंसी)।

आईपीएल के 2022 संस्करण के दौरान दो नई फ्रेंचाइजियों के आने से बीसीसीआई और अधिक अमीर हो सकता है. बीसीसीआई को इससे 5000 करोड़ रुपए से ज्यादा का फायदा होगा. वर्तमान में आईपीएल में 8 टीमें खेलती है. लेकिन अगले संस्करण से यह इवेंट 10 टीमों का बन जाएगा. हाल ही में गवर्निंग काउंसिल की बैठक हुई थी. इस दौरान बोली प्रक्रिया को लेकर चर्चा की गई. एक बीसीसीआई अधिकारी ने बताया- कोई भी कंपनी 10 लाख रुपये देकर बोली दस्तावेज खरीद सकती है. पहले शीर्ष अधिकारी दो नई टीमों के लिए आधार मूल्य 1700 करोड़ रुपये रखने के बारे में सोच रहे थे, लेकिन बाद में आधार मूल्य 2000 करोड़ रुपये रखने का फैसला किया गया. सूत्रों की माने तो बीसीसीआई को दो नई टीमों के जुड़ने से कम से कम 5000 करोड़ रुपए का फायदा होगा, अगर बोली योजना के अनुसार होती है तो. अधिकारी ने कहा- बीसीसीआई अधिक नहीं तो 5000 करोड़ की सीमा में कुछ भी उम्मीद कर रहा है. अगले सीजन में 74 मैच होंगे, जो सभी के लिए फायदे की स्थिति है. सूत्रों से यह भी पता चला है कि 3000 करोड़ से ज्यादा सालाना टर्नओवर वाली कंपनियों को ही टीमों के लिए बोली लगाने की अनुमति होगी.

पैरालंपिक (निशानेबाजी): सिंहराज अधाना ने जीता कांस्य

टोक्यो। भारत के सिंहराज ने यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक पी वन पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच वन फाइनल में तीसरे स्थान पर रह कर कांस्य पदक हासिल किया। इसके साथ ही भारत को इस पैरालंपिक में आठवां पदक मिला। सिंहराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 216.8 का स्कोर कर तीसरा स्थान अर्जित किया। इस इवेंट का स्वर्ण पदक चीन के चाओ यांग ने 237.9 अंक ले कर जीता एक अन्य चीनी जिंग हुआंग ने 237.5 अंकों के साथ रजत पदक जीता है। भारत के एक अन्य निशानेबाज मनीष नरवाल 135.8 का स्कोर कर सातवें स्थान पर रहे, मनीष से पदक लाने की काफी उम्मीदें जताई जा रही थी, लेकिन उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। फरीदाबाद के 39 वर्षीय सिंहराज ने छठे स्थान पर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था, लेकिन पहले 10 शॉट्स में 99.6 के शानदार स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए थे। सिंहराज ने अगले दौर में 10.0 का एक स्कोर किया और बाहर होने से बच गए बाद में उन्होंने केवल 9.4 और 9.7 का स्कोर किया और चौथे स्थान पर आ गए। उन्हें कांस्य पदक के लिए तीसरे स्थान के लिए चीन के लू शियाओलोंग से भिड़ना पड़ा। सिंहराज ने अपने 13वें और 14वें शॉट में 9.4 और 9.7 की शूटिंग के साथ, लू को तीसरे स्थान पर पछाड़ दिया। लेकिन चीनी निशानेबाज ज्यादा देर तक इस पोजीशन पर कायम नहीं रह सके और उन्होंने अपने 17वें और 18वें टर्न में 9.6 और 9.7 का स्कोर बनाया। अपने 19वें और 20वें मोड़ पर 9.1 और 9.6 के एक और निचले दौर के बाद, ऐसा लग रहा था कि सिंहराज एक पदक से चूक सकते हैं, लेकिन चीनी निशानेबाज ने अपने 20 वें शॉट में 8.6 का स्कोर बनाया और इसी तरह सिंहराज का स्कोर 196.8 से 196.5 पहुंच गया। अगले दौर में, फरीदाबाद के 39 वर्षीय सिंहराज ने दो 10.0 अंक प्राप्त किए और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। चीन के यांग चाओ, जिन्होंने पहली सीरीज में हीं शानदार खेल दिखाते हुए 100.3 का स्कोर किया और फाइनल में 8.7, 8.2 और 8.2 की शूटिंग कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया उनका कुल स्कोर 237.9 रहा।

भारतीय टीम को कमजोर आंकने की गलती ना करे इंग्लैंड : हुसैन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने मेजबान टीम को आगाह करते हुए कहा है कि भारतीय टीम भले ही तीसरे टेस्ट में हार गयी थी पर उसे कमजोर समझने की गलती न करें। हुसैन ने कहा है कि भारतीय टीम मानसिक रुप से भी काफी मजबूत है और उसमें वापसी का भी जज्बा है। दोनो ही टीमों के बीच चौथा टेस्ट गुरुवार से ओवल में खेला जाएगा। हुसैन ने मेजबान टीम के कप्तान जो रूट को याद दिलाया कि यही भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में शुरुआती टेस्ट में 36 रनों पर आउट होने के बाद वापसी करते हुए सीरीज जीती थी। उस समय विराट कोहली भी टीम के साथ नहीं थे। हुसैन ने कहा है कि तीसरे टेस्ट में मेजबान टीम के तेज गेंदबाजों ने अच्छी स्विंग गेंदबाजी की पर भारतीय तेज गेंदबाज ऐसा नहीं कर पाये। इसके बाद भी इंग्लैंड को सतर्क रहना होगा। इंग्लैंड ने अब तक कड़ी मेहनत की है और और इसी लिए उन्हें चौथे टेस्ट और ओल्ड ट्रैफर्ड में फाइनल मैच से पहले भारतीय टीम को कमजोर नहीं आंकना चाहिए। यह दोनों ही टीमें गेंदबाजी आक्रमण के हिसाब से बराबर हैं। हुसैन ने कहा किटीम इंडिया मानसिक रूप से काफी मजबूत है और उसमें वापसी का पूरा दमखम है और उसके केंद्र में कप्तान हैं।

अभी पूरा नहीं हुआ, अब 2024 में पेरिस में चौथा पदक जीतने पर निशाना: झाझरिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के महान पैरालिंपियन देवेंद्र झाझरिया, जिन्होंने 2004 एथेंस और 2016 रियो खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और अब टोक्यो में चल रहे पैरालिंपिक में रजत पदक जीत चुके हैं, उन्होंने कहा कि वह 2024 पेरिस में पदकों की बाउंड्री (चार) तक पहुंचना चाहते हैं। झाझरिया ने पदक पुरुषों की भाला फेंक एफ 46 फाइनल इवेंट में 64.35 मीटर भाला फेंक कर पदक अपने नाम किया था। टोक्यो से आईएएनएस से बात करते हुए, झाझरिया ने कहा, अब मैं 40 साल का हूं, मेरा मानना है कि मैंने विज्ञान को चुनौती दी है। रजत जीतना भी महत्वपूर्ण है। मेरे पिता हमेशा चाहते थे कि मैं पदकों की हैट्रिक बनाऊं और अब मैंने यह पूर कर लिया। मुझे यकीन है कि उन्हें मुझ पर बहुत गर्व होगा। मैं यह पदक अपने दिवंगत पिता को समर्पित करता हूं। मैं आज जो कुछ भी हूं, उनकी प्रेरणा और समर्थन के कारण हूं। वह कैंसर से जूझ रहे थे और जब मैं उनसे मिलने गया, तो उन्होंने कहा आपको अभ्यास करते रहना चाहिए। मैं आपको बता नहीं सकता कि मैं अभी कितना भावुक महसूस कर रहा हूं। 40 वर्षीय सर्वोच्च फिट एथलीट ने हंसते हुए कहा, तीन पदक हो गए, इस बात की भी संभावना है कि मैं इसे पेरिस (2024 पैरालिंपिक) में चार कर दूं। आप कभी नहीं जानते। उन्होंने आगे कहा,लेकिन सबसे पहले, मैं घर जाना चाहता हूं और थोड़ा आराम करना चाहता हूं। मैं अपनी बेटी से मिलना चाहता हूं। फिर, बाद में मैं अपने कोचों से बात करूंगा और चर्चा करूंगा कि मैं पेरिस में खेल सकता हूं या नहीं। लेकिन अब तक संभावना है कि मैं वहां खेल सकता हूं और स्वर्ण जीत सकता हूं। झाझरिया गुजरात में भारतीय खेल प्राधिकरण के गांधीनगर केंद्र में अभ्यास कर रहे थे।

टोक्यो रवाना होने से पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वीडियो कॉल पर बात की थी। टोक्यो में रजत पदक जीतने के बाद उन्हें फिर से मोदी से बात करने का मौका मिला। उन्होंने कहा, मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि प्रधानमंत्री ने मुझे बधाई देने के लिए बुलाया और मेरे प्रयासों की सराहना की। मैं पदक के साथ-साथ अपने देश और देशवासियों को अपनी उपयोगी यात्रा समर्पित करता हूं। झाझरिया ने कहा, आज, जब मैं सरकारों को एथलीटों को प्रेरित करते देखता हूं, तो मुझे लगता है कि मेरे पिता अब जहां भी होंगे, बहुत खुश होंगे। जब झाझरिया आठ साल का थे, तब उन्होंने गलती से एक जीवित बिजली के तार को छू दिया था जिसके बाद उसके बाएं हाथ को काटना पड़ा था।

नेपाल की टीम हमारे खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करती है: सुनील छेत्री

काठमांडू : भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री को नेपाल के खिलाफ आगामी दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों में विरोधी टीम से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। भारत को नेपाल से उसी की सरजमीं पर दो और पांच सितंबर को भिड़ना है। छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से कहा कि यह एक टीम के रूप में सुधार करने का हमारे पास शानदार मौका है। मौजूदा हालात को देखते हुए मैत्री मैच खेलने का मौका मिलना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि नेपाल महासंघ और सरकार ने हमें खेलने के लिए आमंत्रित किया और इस मौके के लिए हम उन्हें धन्यवाद देते हैं। नेपाल की टीम कड़ा खेल खेलती है, विशेषकर जब वे हमारे खिलाफ खेलते हैं और दो मैचों में हमारे सामने आने वाली कड़ी चुनौती से हम अच्छी तरह वाकिफ हैं। छेत्री, प्रीतम कोटल और गुरप्रीत सिंह संधू के अलावा मौजूदा भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी सीनियर टीम के साथ नेपाल नहीं गया है। ये तीनों 2015 में नेपाल गए थे जब भारतीय टीम ने 2018 रूस विश्व कप क्वालीफायर के प्ले आफ के लिए क्वालीफाई किया था। छेत्री चौथी बार नेपाल के दौरे पर जाएंगे। मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कहा कि मैं सिर्फ इतनी उम्मीद करता हूं कि भारी बारिश नहीं हो। कोलकाता में तैयारी शिविर के दौरान भी काफी बारिश हुई थी लेकिन स्थिति चिंताजनक नहीं थी।

नंद घेर आनंद भयो, जय कन्हैया लालकी से गूंजती रही राजकोट की गलियां

राजकोट।
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर पूरे गुजरात में भक्तों में खासा उत्साह दिखाई दिया, क्योंकि, पिछले साल कोरोना के चलते जन्माष्टमी पर श्रद्धालुओं के मंदिर में प्रवेश पर पाबंदी थी और लोगों ने घर से ही ऑनलाइन कृष्ण जन्मोत्सव मनाया था। लेकिन इस बार प्रशासन ने जन्माष्टमी भक्तों की उपस्थिति में ही मनाने का फैसला किया है। इसी के चलते सोमवार सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं थीं। द्वारका और डाकोर मंदिर सहित राज्य के सभी हरि मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। आलम ये था कि पुलिस-प्रशासन के सारे इंतजाम धरे रह गए और कई जगह सड़कें भी जाम हो गईं थीं। हालांकि, राज्य सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार मास्क लगाकर ही मंदिर में प्रवेश करने दिया गया। लेकिन भक्तों की जबर्दस्त भीड़ के चलते मंदिर के बाहर सारे नियम धरे के धरे रह गए। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग बिना मास्क के नजर आए। वहीं, भीड़ के चलते सोशल डिस्टेंसिंग का तो सवाल ही नहीं था। बता दें, गुजरात के सौराष्ट्र में ही भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारका नगरी बसाई थी। इसी के चलते सौराष्ट्र वासियों के लिए यह सबसे बड़ा पर्व है। इसी के चलते शहर के लगभग सभी ग्राउंड और पार्टी-प्लॉट्स भी भजन-कीर्तन के लिए बुक थे। 'नंद घेर आनंद भयो', 'जय कन्हैया लालकी' जैसे जयकारों से राजकोट शहर की गली-गली गूंज रही थी और पूरे शहर में मथुरा जैसा ही माहौल था। रात १२ बजे भगवान श्रीकृष्ण की महाआरती के बाद कई जगह श्रद्धालु गरबा खेलते भी नजर आए। रात १२ बजते ही श्रीकृष्ण की महाआरती की गई और प्रसाद-मिठाई का वितरण हुआ। वहीं, कई जगह बच्चे केक काटकर अपने लाड़ले कन्हैया का जन्मोत्सव मनाते नजर आए। इसके अलावा जगह-जगह देर रात तक मटकी फोड़ का कार्यक्रम भी होता रहा। इस तरह पूरे शहर का माहौल भक्तिमय रहा। देर रात तक सड़कों पर लोगों की चहल-पहल बनी रही। शहर के इस्कॉन मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्तियों को भी अलग-अलग आभूषणों और पोशाकों से सजाया गया था। मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव व महाआरती की भव्य तैयारी की गई थी। इसके अलावा एक अखंड धुन का जाप भी किया गया था। इस मौके पर भारी संख्या में भक्त मंदिर में मौजूद रहे। महाआरती के बाद प्रसादी के लिए भी मंदिर में अलग से व्यवस्था की गई थी। भगवान के अभिषेक के लिए देश की कई नदियों का जल लाया गया था। इसके अलावा गाय के दूध और दही, घी व शहद से अभिषेक किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर शंख और ढोल की आवाजों से गूंजता रहा।

जरी की कीमत दो महीने में १५ प्रतिशत तक का हुआ इजाफा

सूरत।
सूरत की पहचान कहा जाने वाला जरी उद्योग बदलते फैशन और बढ़ती महंगाई से अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है। सूरत के जरी उद्यमियों को उम्मीद थी कि कोरोना की दूसरी लहर के बाद जरी की डिमांड बढ़ेगी। लेकिन जरी की बढ़ती लागत ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बीते दो महीने में ही जरी की कीमत में १५ प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इसके मुकाबले बिक्री कीमत में ५ प्रतिशत भी नहीं बढ़ी है। अन्य राज्यों के व्यापारी बढ़ी कीमत पर जरी खरीदने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि रिटेल मार्केट में व्यापार कमजोर है। सूरत में बनने वाली जरी की ज्यादातर डिमांड दक्षिण भारत में तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक आदि में विशेष है। इसके अलावा बनारस, पंजाब दिल्ली में भी इसकी मांग है। जरी का उपयोग साड़ी में वैल्यू एडिशन के तौर पर किया जाता है। इस तरह की साड़ियां दक्षिण के राज्यों में ज्यादा डिमांड में होने से वहां जरी की डिमांड अधिक है। अन्य राज्यों के व्यापारियों का कहना है कि कोरोना के कारण लोगों की नौकरी छूट गई है, वेतन घट गया है या वह बीमारी आदि से लोगों की क्रय शक्ति घटी है। इसलिए वह ज्यादा खर्च टाल रहे हैं। ऐसे में जरी की बढ़ती कीमत के कारण लोग उसे कम पसंद कर रहे हैं। इसलिए रिटेल व्यापारियों को जब सूरत के व्यापारी बढ़ी कीमत बताते हैं, तो व्यापारी माल खरीदने से इन्कार कर रहे हैं। इस स्थिति में ग्राहक बनाए रखने के लिए यहां के व्यापारी बहुत कम लाभ लेकर या बिना लाभ के माल बेच रहे हैं।कॉपर में २५ प्रतिशत, पॉलिएस्टर यार्न में २० प्रतिशत, परिवहन खर्च में ५ प्रतिशत और श्रमिकों की मजदूरी १० प्रतिशत बढ़ गई है। इसका सीधा असर जरी की लागत पर पड़ा है। जरी की तमाम क्वालिटी में १५% दाम बढ़े हैं।

महुवा में सूरत के एक ही परिवार की 4 महिलाओं सहित अंबिका नदी में 5 डूबे, सास का शव मिला

सूरत जिले के महुवा तालुका के कुमकोटर गांव के सीम में जोरावरपीर की दरगाह के सामने अंबिका नदी में चार महिलाओं सहित एक ही परिवार के पांच सदस्य डूब गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दो महिलाओं के शव बरामद कर लिए हैं। जबकि पानी में लापता तीनों की तलाश की जा रही है.

जोरावरपीर की दरगाह के दर्शन करने के बाद वह नदी में स्नान करने गए

सूरत शहर के लिंबैता क्षेत्र में रहने वाले जाविदशा सलीमशा फकीर (यू. वी.36) अपनी पत्नी, मां और छोटे भाई के साथ परिवार के 6 सदस्य महुवा के कुमकोटर गांव की सीवन में जोरावरपीर की दरगाह के दर्शन करने गए थे. परिवार के पांच सदस्यों को दर्शन के बाद अंबिका नदी में स्नान करना पड़ा। इस बीच, पांचों डूब गए। जाविदशाह ने स्थानीय लोगों की मदद से पांचों की तलाश की।

दो शव मिले, तीन की तलाशी

स्थानीय तैराकों को दो महिलाओं के शव मिले हैं। जबकि तीन अन्य की तलाश की जा रही है। एक ही परिवार के दो भाई, मां और पत्नी के डूबने से परिवार में मातम का माहौल है.

दुर्घटना में एक ही दिन ब्रेन डेड हुए बचपन के दोस्तो ने जाते जाते 12 लोगों को दिया नवजीवन

सूरत। शहर की जीडी गोएन्का स्कूल के निकट गत 24 अगस्त को एक्टिवा और कार के बीच हुई दुर्घटना में एक्टिवा दो युवकों को सिर में गंभीर चोट लगी थी। 28 अगस्त को डॉक्टर ने दोनों को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। परिवार ने अपने लाडलों का अंगदान कर जरूरतमंदों को जीवनदान देने का फैसला किया। एक ही दिन दुर्घटना में ब्रेन डेड हुए बचपन के दो दोस्त जाते जाते 12 लोगों को नया जीवन दे गए। मीत पंड्या और क्रिश गांधी नामक दो युवक गत 24 अगस्त को एक्टिवा पर सूरत के जीडी गोएन्का स्कूल के निकट से गुजर रहा था। उस वक्त एक अज्ञात कार चालक ने एक्टिवा को पीछे से टक्कर मार दी। कार की टक्कर से मीत और क्रिश उछल कर सड़क पर जा गिरे। इस हादसे में दोनों के सिर में गंभीर चोट आई। वहां से गुजर रहे लोगों ने एम्ब्युलैंस 108 की मदद से दोनों को अस्पताल पहुंचाया। जहां दोनों का सिटी स्कैन कराने पर ब्रेइन हेमरेज और दिमाग में लहू के थक्के जम जाने का खुलासा हुआ। न्यूरो सर्जन ने दिमाग से लहू के थक्के हटा दिए। लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। 28 अगस्त को डॉक्टर ने मीत और क्रिश दोनों के ब्रेन डेड घोषित कर दिया। जिसके बाद मीत और क्रिश के परिवार ने डोनेट लाइफ के माध्यम से अपने लाडलों के अंगदान करने का फैसला किया। क्रीश के फेफडे हैदराबाद में पूना निवासी और सीआरपीएफ में सेवारत 54 वर्षीय जवान में ट्रांसप्लांट किया गया। जो पिछले डेढ़ साल से 24 घंटे 12 से 15 लीटर ऑक्सीजन सपोर्ट था। मीत का हृदय अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में वडोदरा की 21 वर्षीय युवती में ट्रांसप्लांट किया गया। जबकि क्रिश का लीवर अहमदाबाद के शेल्बी अस्पताल में राजकोट के 55 वर्षीय व्यक्ति में, मीत का लीवर अहमदाबाद के स्टर्लिंग अस्पताल में बायड के रहनेवाले 4। वर्षीय शिक्षक में ट्रांसप्लांट किया गया। इसके अलावा चार किडनी अहमदाबाद के किडनी अस्पताल में जरूरतमंद मरीजों में ट्रांसप्लांट की जाएंगी।

वेसु स्थित शिवकार्तिक एन्क्लेव के श्री आदिनाथ जैन देरासर में विशेष औषधीयुक्त श्री वर्धमान शक्रस्तव अभिषेक

सूरत भूमि, सूरत।
श्री चंद्रशेखर विजयजी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर युगप्रवर्तक आचार्यम पुण्य प्रवर श्री जिनसुंदरसुरिजी महाराज और पूज्य श्री के शिष्य मुनि श्री तारकरुचिविजयजी म. साहेब का जन्मदिन के अनुसंधान में और साथ ही सुश्राविका जिग्नाबाहेन डिंपलभाई बंगडीवाला का और नील डिंपलभाई बंगाड़ी के साथ 'संतिकार' तपोत्सव के समापन के अवसर पर 'श्री वर्धमान शाक्रस्तव' का विशेष आयोजन किया गया।

.. पवित्र निश्रा ..

पू पन्यासप्रवर श्री पद्मदर्शन विजयजी एम. साहेब आदि श्रमण भगवंतो। साथ ही आध्यात्मिक योगी पी.ए. श्री कलापूर्णासुरीजी एम. श्री सौम्यगुणश्रीजी म. साहेब के समुदाय की साध्वी और साध्वी श्री प्रियधर्मश्रीजी म. साहेब आदि थाना उपस्थित थे। चार घंटे तक प्रभु के सिर पर विशेष औषधीय अभिषेक हुआ। संगीत के साथ विनय शाह की भक्तिमय धुन के साथ सभी प्रभुभक्त झुम उठे।

कोई भी पात्र कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित ना रहे: अमित शाह

हालांकि बुनियादी ढांचे का विकास महत्वपूर्ण है, लेकिन अगर लोग कमजोर और गरीब रहेंगे तो इसका कोई फायदा नहीं होगा

अहमदाबाद।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरपंचों और अन्य निर्वाचित लोगों से आग्रह किया स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनके क्षेत्रों में कोई भी पात्र व्यक्ति केंद्र और राज्य सरकारें की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभों से वंचित न रहे। शाह गुजरात की गांधीनगर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं, वर्तमान में अपने गृह राज्य गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। उनका दौरा २८ अगस्त को शुरू हुआ था। अहमदाबाद में सोमवार को साणंद शहर के पास निधरद गांव में गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक लड्डू के वितरण के लिए एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि हालांकि बुनियादी ढांचे का विकास महत्वपूर्ण है, लेकिन अगर लोग कमजोर और गरीब रहेंगे तो इसका कोई फायदा नहीं होगा। उनके मुताबिक, राज्य और केंद्र सरकारें द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। स्थानीय प्रशासन लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। लेकिन, यह सुनिश्चित करने के लिए सरपंच और जिला और तालुका पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। कोई भी पात्र व्यक्ति इन योजनाओं के तहत लाभ पाने से वंचित नहीं है। उन्होंने कहा कि गांधीनगर लोकसभा सीट के कार्यकर्ता विभिन्न गांवों का दौरा कर शिविरों का आयोजन कर लोगों तक पहुंच रहे हैं। लेकिन, वे खुद कितना क्षेत्र कवर कर सकते हैं? यदि इस क्षेत्र के सरपंच यह जिम्मेदारी लेते हैं कि कोई भी पात्र व्यक्ति आयुष्मान कार्ड के बिना नहीं रहता है या कोई विधवा पेंशन के बिना नहीं रहती है, तो गांधीनगर सबसे विकसित लोकसभा क्षेत्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे का विकास महत्वपूर्ण है और यह प्रक्रिया भी जारी रहेगी। लेकिन, गरीबों, दलितों और महिलाओं का सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अगर लोग गरीब और कमजोर रहते हैं तो बुनियादी ढांचे के विकास का कोई मतलब नहीं है। गैर सरकारी संगठनों की मदद से शाह ने गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक योजना शुरू की, जिसमें लगभग ७,००० गरीब गर्भवती महिलाओं को प्रसव तक हर महीने १५ विटामिन युक्त लड्डू दिए जाएंगे। शाह ने कहा कि ये लड्डू बच्चों और उनकी माताओं के बीच कुपोषण से लड़ने में मदद करेंगे। शाह ने कहा कि यह योजना सरकार से बिना किसी वित्तीय मदद के शुरू की गई है। मैं उन सभी गैर सरकारी संगठनों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने इस योजना को शुरू करने के लिए हाथ मिलाया है। ये प्रोटीन और विटामिन युक्तलड्डू गर्भवती महिलाओं को मुफ्त में दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान से मार्च २०१८ में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया "पोषण अभियान" अब एक जन आंदोलन बन गया है। शाह ने जन्माष्टमी के अवसर पर लोगों को बधाई दी और टोक्यो पैरालिंपिक में एक स्वर्ण पदक सहित पदक जीतने वाले भारतीय एथलीटों को भी बधाई दी।

भारत में इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी की विपुल संभावनाएं: तुषार कांबले

भारत के मेधावी युवा आज दुनिया भर के विकसित देशों के सूचना और प्रौद्योगिकी तंत्र को बखूबी ही संभाल रहे हैं

अहमदाबाद।
दुबई में आइटी एक्सपर्ट व फैशन की दुनिया में नाम कमा चुके तुषार कांबले का मानना है कि भारत में इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी की विपुल संभावनाएं हैं। भारत के मेधावी युवा आज दुनिया के विकसित देशों के सूचना व प्रौद्योगिकी तंत्र को संभाल रहे हैं। गुजरात के शहर व ग्रामीण इलाकों में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हुआ है तथा निकट भविष्य में इसके सुखद परिणाम देखने को मिलेंगे। सूचना व तकनीक से जहां लोगों का कामकाज आसान हो जाता है। वहीं, इधर-उधर की भागदौड़ व भ्रष्टाचार से भी निजात मिल जाती है। भारत में तथा विविध राज्यों में भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए भी सूचना प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। देश के छोटे-छोटे गांव के युवक-युवती आज घर बैठे दुनिया की कई अहम जानकारी व ज्ञान हासिल कर रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र के कारण दुनिया में एक नई क्रांति आई है। कोरोना महामारी में सब कुछ बंद हो जाने के बावजूद शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी व तकनीक का उपयोग करके आनलाइन शिक्षा, टेले मेडिसिन आदि की सुविधाएं शुरू हो सकी है। बेंगलुरु, मुंबई, अहमदाबाद, गांधीनगर व नोएडा में सूचना तकनीक का काफी विस्तार हुआ। इसके अलावा भारत के छोटे शहर व गांव में भी इस तकनीक के बल पर लोगों को रोजगार व जन सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। कांबले गुजरात के आइटी क्षेत्र में प्रत्यक्ष व परोक्ष निवेश व भागीदारी की योजना पर काम कर रहे हैं। भारत की युवा आबादी सूचना तकनीक के क्षेत्र में जगह बनाने में कामयाब हुई है। इसी का परिणाम है कि अमेरिका जैसे कई देश भारत में आउटसोर्सिंग के जरिए काम कराने की होड़ लगी है। कांबले बताते हैं कि दुनिया की कई नामी आइटी कंपनियों का संचालन भारत के युवाओं के हाथ में है। जब सफलता प्राप्त करने की तड़प जिंदा रहने के लिए सांस लेने की तड़प के समान हो जाती है, तब आप सफल हो जाएंगे। इस ध्येय वाक्य पर दृढ़ विश्वास रखते हुए प्रसिद्ध आइटी विशेषज्ञ, ब्लॉगर व फैशन एडवाइजर तुषार कांबले ने अपने जीवन में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। तुषार युवराज कांबले मुंबई की जानी-मानी शख्सियत हैं, जो अब दुबई में रह रहे हैं और दुबई में आइटी क्षेत्र में अपनी एक अलग छाप छोड़ रहे हैं। यह एक औसत दर्जे के मध्यम वर्गीय व्यक्ति की एक असाधारण कहानी है, जिसने छोटी छोटी नौकरियों से करियर की शुरुआत की और फिर आईटी क्षेत्र में काम शुरू किया और आज अपनी शानदार (लाइफस्टाइल) ब्लॉगिंग के साथ लोगों के जीवन को बहुत प्रभावित कर रहे हैं। मुंबई में एक मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे और पले बढ़े तुषार ने जीवन में बहुत संघर्ष किया है। जीवन में अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए तुषार ने दृढ़ता और समर्पण के साथ जीवन की अभी तक यात्रा तय की है। उनके कौशल और प्रतिभा ने उन्हें जीवन में कई उत्कृष्ट उपलब्धियां अर्जित करने में सहायता की है।

अहमदाबाद और सूरत में अपने स्टूडियो के शुभारंभ के साथ होमलेन ने गुजरात के बाज़ार में प्रवेश किया

HomeLane.com

सूरत।
ऑन-टाइम इंटीरियर सेवाओं के मामले में भारत की पहली पसंद बन चुके होमलेन ने क्रमशः सूरत और अहमदाबाद में दो होमलेन स्टूडियो स्थापित करके गुजरात के बाज़ार में प्रवेश किया है। कंपनी ने देश के पश्चिमी क्षेत्र और टियर-द्वद्व श्रेणी के बाज़ारों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की योजना बनाई है और यह इसी रणनीतिक योजना का हिस्सा है। गुजरात में अपने रिटेल कारोबार के दायरे को बढ़ाने के लिए होमलेन लगभग 10 मिलियन रुपये का निवेश कर रहा है, और वित्त-वर्ष 23 तक राज्य से 80 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है।

गुजरात में अपने नए कारोबार की शुरुआत के बारे में बताते हुए, श्री श्रीकांत अय्यर, फाउंडर एवं सीईओ, होमलेन, ने कहा, "दक्षिण भारतीय बाजार में होमलेन की पकड़ काफी मजबूत है, ऐसे में देश के पश्चिमी हिस्से में अपने दायरे का विस्तार हमारे लिए विकास के अगले चरण को चिह्नित करेगा।

चूंकि गुजरात में उपभोक्ता तड़क-भड़क से दूर रहते हैं, इसलिए घर के इंटीरियर के मामले में उनकी प्राथमिकताओं को कमतर आंका जाता है लेकिन उनमें संभावनाएं बहुत अधिक हैं। हम उनके लिए पूरी तरह व्यवस्थित, एवं शुरू से अंत तक इंटीरियर सेवाएं ला रहे हैं, जिनकी डिलीवरी सुरक्षित तरीके से और समय पर की जाती है।"

गुजरात के बाज़ार पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री सोलोमन धीरज मुदीमाला, वीपी बिजनेस, होमलेन, ने कहा, "सूरत और अहमदाबाद में हमारे शोध के नतीजे बताते हैं कि, घरों के मालिक तुरंत उपलब्ध होने वाले होम इंटीरियर सॉल्यूशन की तलाश कर रहे हैं, जो आधुनिक के साथ पारंपरिक भी हो। हम आधुनिक कॉन्सेप्ट, क्षेत्रीय डिजाइन के संबंध में लोगों की पसंद तथा जेब के अनुकूल कीमतों को साथ मिलाते हुए इस कमी को दूर करना चाहते हैं, और ग्राहकों को पैसा वसूल सेवाएं उपलब्ध कराना चाहते हैं, जिनकी डिलीवरी 45 दिनों के भीतर की जाती है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)